पाक्षिक
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड
Postal Registration No : BHILWARA/208/2024-2026 Posting on 09-09-2025 at Rail Mail Service, Bhilwara
वर्ष-28 अंक-06 भीलवाड़ा, 7 सितम्बर 2025 कुल पृष्ठ- 28 मूल्य : 25 रुपए

गारमेण्ट पर जीएसटी 5 प्रतिशत करने का अनुरोध

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

हाल ही जीएसटी कौंसिल द्वारा टेक्सटाइल उद्योग के लिए जीएसटी की दरों को तर्कसंगत बनाने का उद्योग द्वारा स्वागत किया जा रहा है, लेकिन गारमेण्ट के लिए जीएसटी की दो दरों 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत करने से उद्योग में रोष है और सरकार से 5 प्रतिशत जीएसटी लगाने का अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि जीएसटी कौंसिल ने मैनमेड फाइबर और मैनमेड यार्न पर जीएसटी की दर घटाकर 5 प्रतिशत करने की घोषणा की है, जबकि पहले यह दर 12-18 प्रतिशत थी। **शेषांश पृष्ठ 8 पर...**

टेक्सटाइल उद्योग की इन्वर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर की समस्या का हुआ समाधान

मैनमेड फाइबर और मैनमेड यार्न पर जीएसटी दर का उद्योग द्वारा स्वागत

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

जीएसटी परिषद् द्वारा हाल ही सम्पन्न बैठक में टेक्सटाइल उद्योग की एक पुरानी मांग को मान लिया है और इसका उद्योग ने स्वागत किया है। उल्लेखनीय है कि टेक्सटाइल उद्योग इंवर्टेड ड्यूटी से परेशान था जहाँ उसे कच्चे माल पर ऊँची दर का जीएसटी देना पड़ता था, लेकिन तैयार माल पर जीएसटी की दर कम थी। जीएसटी परिषद् ने अपनी 56वीं बैठक में मैनमेड फाइबर पर जीएसटी की दर 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी है। इसी प्रकार मैनमेड यार्न पर जीएसटी की दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी है।

नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन (निटमा) का कहना है कि जीएसटी की दर तर्कसंगत बनाने से एमएमएफ की वैल्यू चेन मजबूत होने के साथ ही उद्योग का विकास होगा और देश का टेक्सटाइल उद्योग विश्व बाजार की प्रतिस्पर्धा में टिक पाएगा। निटमा के प्रेसीडेंट श्री सिद्धार्थ खन्ना के अनुसार इस परिवर्तन के बाद एमएमएफ और टेक्नीकल टेक्सटाइल की वैल्यू चेन की लागत में कमी आएगी और विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा स्थिति बन पाएगी। उनका कहना है कि सरकार द्वारा कॉटन आयात को 31 दिसम्बर तक ड्यूटी फ्री करने के बाद अब जीएसटी कौंसिल द्वारा जीएसटी की दरों में कमी करने से देश का टेक्सटाइल उद्योग अमेरिका द्वारा भारतीय आयात पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाने के बाद उत्पन्न स्थिति और विश्व बाजार में चल रहीं विपरीत परिस्थितियों में टिक पाएगा तथा निर्यातकों को मजबूती प्रदान करेगा। उनका कहना है कि सरकार द्वारा जीएसटी में किए गए सुधारों के कारण विकसित भारत के लक्ष्य और 2030 तक देश के टेक्सटाइल व गारमेण्ट निर्यात को 100 बिलियन डॉलर तक पहुँचाने में सहायक होगा।

एईपीसी ने सरकार द्वारा जीएसटी में किए गए सुधारों का स्वागत करते हुए देश की अर्थव्यवस्था को विकसित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताते हुए इससे निर्यातकों की लिक्विडिटी में सुधार होने के साथ ही देश के टेक्सटाइल और गारमेण्ट वैल्यू चेन को मजबूती मिलेगी। गारमेण्ट उद्योग ने मेक इन इंडिया मिशन को सफल बनाने और प्रतिस्पर्धक निर्यात के लिए उठाए गए इन कदमों का स्वागत किया। जानकारों का कहना है कि एमएमएफ पर जीएसटी की दरों में कमी से उनकी उत्पादन लागत कम होगी और अमेरिकी टैरिफ का कुछ भार कम करने में सहायक होगा।

अमेरिका को निर्यात – उल्लेखनीय है कि 27 अगस्त से अमेरिका ने भारत से आयात होते सामान पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है, जो भारत के अन्य प्रतिस्पर्धक देशों चीन, बांग्लादेश, वियतनाम आदि की तुलना में काफी अधिक है। इससे देश से टेक्सटाइल और गारमेण्ट का निर्यात प्रभावित होगा, क्योंकि अब भारतीय सामान अमेरिका में महंगे पड़ेंगे और अमेरिकी आयातक अन्य देशों से आयात करेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत के कुल टेक्सटाइल और गारमेण्ट निर्यात का लगभग 30 प्रतिशत निर्यात केवल अमेरिका को किया जाता है। इससे पूर्व सरकार ने देश में कॉटन के आयात को 31 दिसम्बर तक आयात ड्यूटी से मुक्त कर दिया है, ताकि सस्ती कॉटन के आयात से देश में फैब्रिक और गारमेण्ट की उत्पादन लागत कम हो और निर्यात 50 प्रतिशत टैरिफ के बोझ को कुछ कम कर सकें।जानकारों का कहना है कि टेक्स की दर को तर्कसंगत बनाने से देश में गारमेण्ट की उत्पादन लागत में कमी आएगी और इससे घरेलु बाजार में मांग में सुधार की संभावना है।

शेषांश पृष्ठ 08 पर...

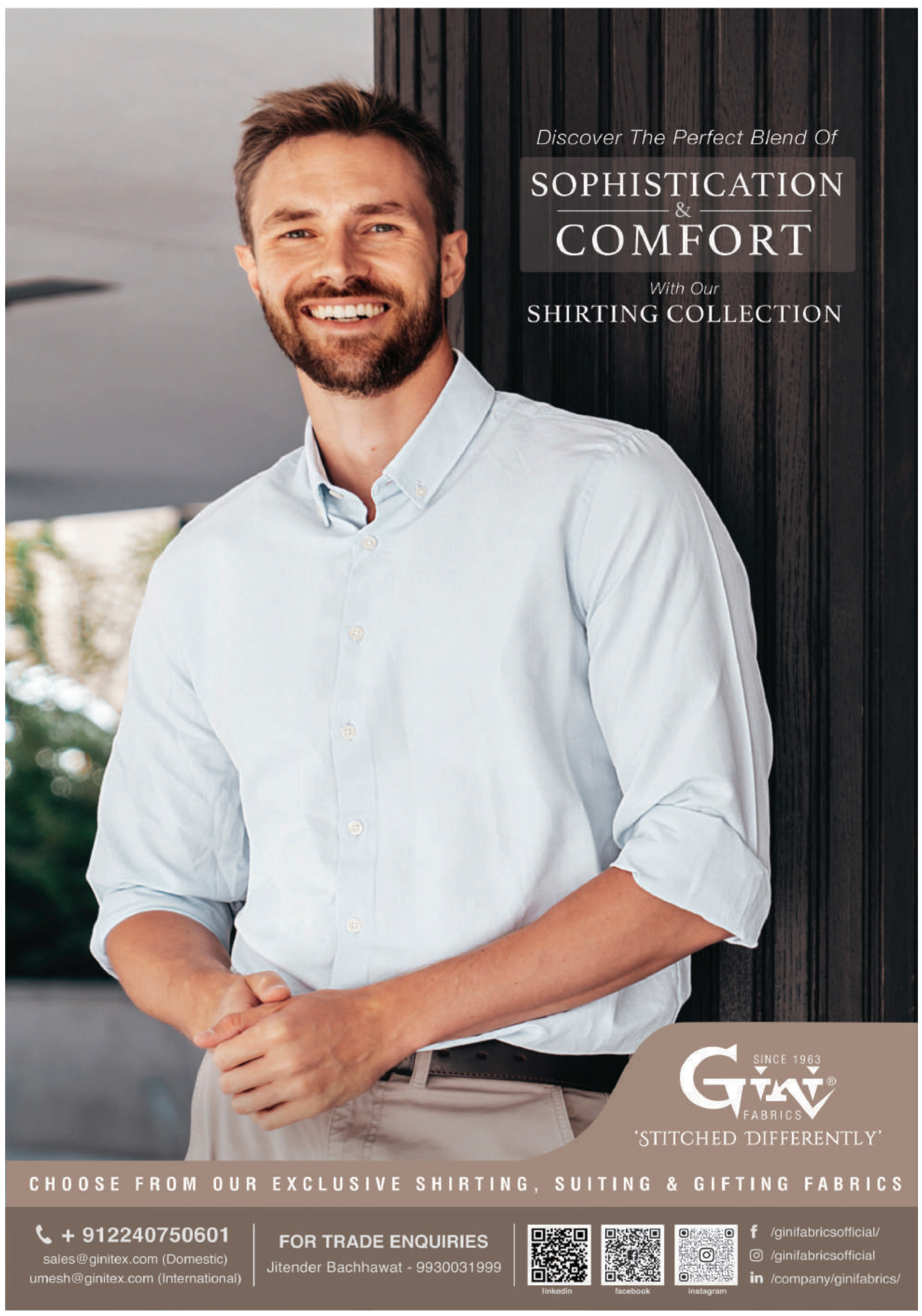

वस्त्र व्यापार मंडल का गोवा भ्रमण रहा सफल

झाँसी/ थोक वस्त्र व्यापार मंडल, झाँसी शिष्ट मंडल के संरक्षक श्री ओमप्रकाश मर, श्री धीरेंद्र यादव, अध्यक्ष श्री अशोक कुमार सिंघल, महामंत्री श्री संजय सेठ व उत्तरप्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के श्री जीतू सोनी एवं श्री अनुज अग्रवाल के संयुक्त तत्वावधान में गोवा भ्रमण किया। इसका प्रमुख उद्देश्य व्यापारियों और नागरिकों को भारतीय वस्तुओं को खरीदने एवं बेचने के लिए प्रेरित करना है तथा व्यापारियों को खुद का तनाव घटाना है।

वहाँ व्यापारियों एवं नागरिकों से मिलकर भारतीय वस्त्र और भारत में निर्मित वस्तुओं को बेचने और खरीदने के लिए प्रेरित किया, जिससे गोवावासियों ने आश्वस्त किया कि वे अपनी तरफ से पूरी कोशिश करेंगे। गोवा के मछुआरा समूह से भी मुलाकात की और उन्होंने स्वागत किया बताया कि हम हर वर्ष झाँसी सेंट जूड चर्च पर आते हैं। इस यात्रा में श्री सौरभ जैन, श्री संतोष गुप्ता (पिंटू), श्री सुधीर सेठ, श्री राजीव गुप्ता, श्री रामप्रकाश सेठ, श्री महेंद्र मर, श्री अमर दुबे, श्री आतिश जैन, श्री विशाल जैन, श्री विपुल अग्रवाल आदि की उपस्थिति रहीं।

जीएसटी 2.0 पर महत्त्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल

नई दिल्ली में 3 सितंबर 2025 को जीएसटी परिषद् की अत्यन्त महत्त्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में यह बैठक पूरे देश के प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ सम्पन्न हुई। इस बैठक में अब तक के सबसे बड़े जीएसटी रिफॉर्म पर फैसला लिया गया। बैठक में 12 प्रतिशत स्लैब की आवश्यक वस्तुओं को 5 प्रतिशत स्लैब में और 28 प्रतिशत की कुछ वस्तुओं को 18 प्रतिशत स्लैब में लाकर 12 और 28 प्रतिशत स्लैब को समाप्त किया गया। साथ ही विलासिता की श्रेणी में आने वाली वस्तुओं पर 40 प्रतिशत जीएसटी के निर्णय को 22 सितम्बर से ही लागू कर दिया जाएगा, जिससे व्यापारियों, उद्यमियों को काफी राहत मिलेगी और ट्रंप की टैरिफ से लड़ने में भी कामयाबी की राह आसान होगी। मुजफ्फरनगर सहित समूचे पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा पंजाब में भारी बारिश का प्रकोप है, जिससे अधिकांश स्थानों पर जनजीवन अस्त-व्यस्त है। इस कारण व्यापार भी अत्यधिक प्रभावित है, किन्तु थोक विक्रेताओं ने अपनी दुकानों में ग्राहकों को नई वैरायटी लाने और आपूर्ति करने के लिए दिसावर के रूख कर लिए हैं तथा नई वैरायटी में सुन्दर, आरामदायक व आकर्षण रेंज ला रहे हैं। मुजफ्फरनगर के प्रतिष्ठित व्यापारियों सर्व श्री विनोद डाबर, सुदर्शन खरबंदा, मनोहर लाल ग्रोवर, गुलाटी जी, संजीव गोयल, मनोज गोयल, भंवर लाल, घनश्याम पालीवाल, अमित सिंघल, पवन बत्रा, इंद्र सुनेजा, सुशील छाबड़ा, अज्जू मदान, अशोक छाबड़ा, के पी त्यागी, अमृत राठी, लक्ष्मण रस्तोगी, वैभव खन्ना, अनिल नामदेव, राधे तायल के अनुसार आगे नवरात्रि आने से त्योहार आरम्भ हो जाएंगे और कामकाज तेजी पकड़ लेगा।

ग्राहकी के अभाव से बाजार में सन्नाटा

उदयपुर/ नवीन कोठारी

गणपति स्थापना, बरसात का दौर, पर्युषण पर्व तथा विवाह मुहूर्त नही होने से वस्त्र बाजार में सन्नाटा पसरा हुआ है। वस्त्र प्रतिष्ठान दिनभर खुले रहने के बावजूद अच्छी ग्राहकी नही हो रहीं है। इस सन्नाटे के बावजूद वस्त्र विक्रेताओं के चेहरों पर मायूसी नहीं है, क्योंकि कई तो अपने प्रतिष्ठानों को आगामी सीजन से पूर्व नया लुक देने में लगे हैं तो कई नये शोरूम ओपनिंग की तैयारी में है। कई प्रतिष्ठित वस्त्र विक्रेता अपने स्टॉक की पड़ताल में लगे हैं ताकि आगे नये माल का ऑर्डर बुक करवा सकें। वस्त्र व्यापारियों को इस समय आने वाले श्राद्ध के दिनों तक व्यापार मंदा रहेगा। अच्छी बरसात के कारण शहर का नजारा भी बहुत मनोरम हो गया और चारों तरफ हरियाली व बहते नदी, नालों तथा झरनों का लुत्फ उठाते कई वस्त्र व्यापारी अपने परिजनों व मित्रों के साथ देखे जाते हैं। जानकारों की माने तो आने वाला वैवाहिक और त्योहारी सीजन वस्त्र व्यापारियों के लिए बहुत अच्छा रहने के संकेत है।

वस्त्रोद्योग पर पड़ा आयात शुल्क की दर का असर

कोल्हापुर/ राहुल खाडे

देश का सबसे बड़ा रोजगार देने वाला वस्त्रोद्योग का महत्त्वपूर्ण घटक होने वाले कपास आयात के शुल्क में सरकार ने कमी की है। आयात शुल्क कम होने से विदेश में सस्ता कपास बड़े पैमाने पर आयात हो रहा है, जिससे कपास की दर कम हो रही है। कपास की दर प्रतिखंडी 500 से 1500 रूपए तक कम हुए है, जिससे सूत की दर में कमी हो रही है। इस फैसले से किसान, सूत गिरणी के साथ वस्त्रोद्योग के अलग-अलग घटकों पर असर हो रहा है। अमेरिका की टैरिफ नीति के लिए सरकार ने पहले 30 सितंबर 2025 तक कपास के ऊपर लगाया गया शुल्क हटाने का फैसला लिया था। जानकारों का कहना है कि ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, इजिप्त आदि देशों से सस्ता कपास मुहैया होगा। साथ ही इस साल कपास की दर में तेजी नहीं है। इसमें अब ब्राजील से आयात होने वाले कपास से निम्न दर्जे का सूत, कपड़ा तैयार होना संभव है। कपड़े का निर्माण करने वाले गारमेण्ट उद्योग को सस्ता सूत मिलेगा, लेकिन सूत गिरणी के सामने इस फैसले से समस्या खड़ी हुई है।

जानकारों का कहना है कि आयात शुल्क सहूलियत लागू की है, लेकिन इसका असर कपास दर के साथ सूत की दर पर भी दिखाई दे रहा है। गत माह 32 काउंट सूत की दर में 5 से 7 रूपए कमी हुई है। ऐसे में सूत, कपड़े को मांग नही होने से उसका असर हो रहा है। ऐसे में आयात शुल्क सहूलियत का फैसला पावरलूम उद्योग के साथ बाकी घटकों के लिए लाभदायक साबित नहीं होगा।

वस्त्रोद्योग क्षेत्र के पावरलूम व्यवसाय के साथ अलग-अलग घटकों के सामने पहले से बिजली बिल, कुशल कामगार, तेजी-मंदी के साथ कई संकट है। इसका सामना करते समय आर्थिक संकट का भी सामना करना पड़ता है। साथ ही राज्य और केंद्र सरकार के सामने कई समस्याएं प्रलंबित है। ऐसे में आयात शुल्क का नया संकट आने से वस्त्रोद्योग अस्वस्थता है। इस बीच सरकार ने फिर से कपास पर आयात शुल्क की छूट 31 दिसंबर 2025 तक बढाने की घोषणा की। ऐसे में वस्त्रोद्योग को सवारने के लिए अब क्या कदम सरकार उठाती है, इस ओर सभी का ध्यान है।

Follow us textileworld.tw

Brand Promotion & Textile News

केंद्र सरकार द्वारा देशवासियों को GST 2.0 के तहत राहत

अब केवल दो स्लैब 5 और 18 प्रतिशत ही लागू होगी

भीलवाड़ा/ कमलेश व्यास

हाल ही में मोदी सरकार द्वारा देशवासियों को ट्रंप टैरिफ वार के बीच बड़ा तोहफा देने का प्लान किया, जिसके अंतर्गत GST 2.0 बदलाव के तहत अब किसी भी ट्रेड में केवल दो ही स्लैब रखी जाएगी, जो 22 सितंबर 2025 से लागू होने जा रही है। इस बदलाव से स्थानीय टेक्सटाइल इंडस्ट्री को भी बड़ा लाभ मिलेगा, जिसमें रॉ-मटीरियल (यार्न) पर 12 के बजाए अब 5 प्रतिशत GST 2.0 लागू होगा, जिसमें यार्न सस्ता होगा। फलस्वरूप फैब्रिक की दरें भी नीचे आएगी। इधर उद्यमियों को यार्न पर 5 प्रतिशत GST लागू होने से रिफंड की जटिलता खत्म हो जाएगी।

भीलवाड़ा में स्पिनिंग मिलें प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख टन सिंथेटिक्स धागे का उत्पादन करती, जो मैनमेड फाइबर से तैयार होता है, जिसमें करीब 2000 करोड़ रूपए का यार्न निर्यात होता है। अब GST दरों में कटोती से निर्यात में भी 25 प्रतिशत वृद्धि होने की सम्भावना बढ़ गई है। रेडीमेड गारमेण्ट्स पर भी GST दर 12 से 5 प्रतिशत करने से भीलवाड़ा में रेडीमेड उद्योग को गति मिलेगी।

मेवाड़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के मानद महासचिव श्री आर के जैन के अनुसार सरकार के इस निर्णय से भीलवाड़ा के कपड़ा उद्योग को सीधा लाभ मिलेगा। भीलवाड़ा में निर्मित पीवी ब्लैंडेड सूटिंग और सूटिंग फैब्रिक का उपयोग देश के कई नामी रेडीमेड ब्राण्ड्स गारमेण्ट्स में हो रहा है, जो आमतौर पर 2500 से अधिक की दर पर बिकते हैं, वो अब उपभोक्ता को अधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर मिलेंगे।

भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के अध्यक्ष श्री दामोदर अग्रवाल (सांसद), कार्यकारी अध्यक्ष श्री तिलोकचंद छाबड़ा एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री प्रेमशंकर गर्ग ने केंद्र सरकार के इस निर्णय को इंडस्ट्री एवं उपभोक्ता के हित में होना बताया और कहा कि भीलवाड़ा के उद्यमियों को अधिक ऑर्डर मिलेंगे तथा नये रोजगार सृजन भी होंगे।

डी के एजेंसी - डी के एजेंसी के ऑनर श्री डी के चौधरी ने बताया कि सरकार के इस कदम से उद्यमियों को रिफंड की समस्या खत्म होगी, हालांकि क्या सस्ता होगा। इस पर आपने बताया कि यह एक टेक्निकल पॉइंट है, क्योंकि पहले 100 पर 12 प्रतिशत जीएसटी लग रहा था और अब 100 पर 5 प्रतिशत जीएसटी यार्न पर लागू किया तो 105 होगा और अंतर 7 प्रतिशत का रहेगा, जो उतना ही रिफंड होगा। अब उद्यमी रिफंड जो लेते थे, वो क्या सभी पास ऑन कर रहे थे या नहीं, वो उन पर निर्भर था। अब इससे फैब्रिक सस्ती होती तो नहीं दिख रहीं, उल्टा यार्न मिलें धागे की दरें बढ़ाने जा रहीं है।

सिद्धार्थ एजेंसी - सिद्धार्थ एजेंसी के प्रबंधक श्री सिद्धार्थ श्रीमाल कहते है कि यार्न पर जीएसटी 12 की जगह अब 5 प्रतिशत कर दी, लेकिन सरकार 22 सितंबर तक का बकाया अगर देती है तो तब कुछ फर्क पड़ेगा अन्यथा व्यापारी इसकी भरपाई तो करेगा ही। अतः इस पर सरकार का अभी तक स्पष्टीकरण नहीं है। दूसरा यह है कि देश में कच्चा माल मैनमेड फाइबर रिलाइंस के पास एवं विस्कॉस बिड़ला के पास है, जो कि देश में इस सेक्टर में इनकी मोनोपॉली पर निर्भर करेगा कि सरकार इन पर कितना कंट्रोल करती है।

मंगलम यार्न एजेंसी - वस्त्र मण्डी की शीर्ष यार्न कम्पनी के ऑनर श्री संदीप बागड़ोदिया ने बताया कि सरकार के जीएसटी स्लैब कम करने से फैब्रिक सस्ती होने की सम्भावना तो नहीं है, लेकिन जो जीएसटी सरकार के फंड में जाकर घूमती थी, उसमें अब उद्यमियों के पास तरलता बढ़ेगी।

Raymond ने किया ग्राहकों को राहत देने का बड़ा ऐलान

मुम्बई/ रेमंड लाइफस्टाइल ने घोषणा की है कि वह 22 सितंबर से 2,500 रूपए तक की कीमत वाले कपड़ों की कीमत घटाएगी। दरअसल, केंद्र सरकार ने 2,500 रूपए से कम कीमत वाले कपड़ों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है। कम्पनी ने बताया कि वो 2,500 रूपए से थोड़ी अधिक कीमत वाले कपड़ों की कीमत भी घटाने वाली है।

निर्यातकों से गुणवत्ता सुधारने और आपूर्ति शृंखला विविध बनाने का आग्रह

नई दिल्ली/ भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने हाल ही में निर्यात प्रोत्साहन परिषदों और विभिन्न उद्योग संघों के साथ बैठक करते हुए भारतीय निर्यातकों को एक महत्त्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि भारत को वैश्विक व्यापार की दौड़ में आगे बढ़ना है, तो हमें अपनी उत्पाद गुणवत्ता को विश्व स्तर के मानकों के अनुरूप बनाना होगा, आपूर्ति शृंखलाओं को विविध बनाना होगा और नए-नए बाजारों की तलाश करनी होगी।

गुणवत्ता में सुधार - वैश्विक व्यापार वातावरण में किसी भी देश की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त उसके उत्पादों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। मंत्री श्री गोयल ने कहा कि भारतीय निर्यातक लम्बे समय से अपनी मेहनत और उत्पादकता के बल पर दुनिया में पहचान बना रहे हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि हम गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपभोक्त ा केवल कम कीमतों पर ही ध्यान नहीं देता, बल्कि वह ऐसे उत्पाद चाहता है जो टिकाऊ, सुरक्षित और वैश्विक मानकों के अनुरूप हो। यदि भारत अपने निर्यात में उच्च गुणवत्ता बनाए रखता है तो न केवल भारतीय ब्राण्ड की विश्वसनीयता बढ़ेगी, बल्कि निर्यातकों को लम्बे समय तक स्थिर लाभ भी मिलेगा।

कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक संकटों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी देश या उद्योग को केवल एक आपूर्ति शृंखला पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। मंत्री श्री गोयल ने कहा कि भारतीय उद्योगों को अब कच्चे माल, तकनीक और तैयार माल के स्रोतों को विविध बनाना होगा।

नए बाजार की तलाश - भारतीय निर्यातक लंबे समय से अमेरिका और यूरोपीय देशों जैसे पारंपरिक बाजारों पर केंद्रित रहे हैं। हालांकि, बदलते वैश्विक परिदृश्य में एशिया, अफ्रीका और अमेरिका जैसे नए बाजारों में अपार संभावनाएं हैं। नए बाजारों में न केवल मांग तेजी से बढ़ रहीं है, बल्कि वहाँ भारतीय उत्पादों के लिए एक भरोसेमंद छवि भी बन सकती है। यदि भारत समय रहते इन देशों में अपनी उपस्थिति मजबूत करता है, तो वैश्विक निर्यात में हमारी हिस्सेदारी तेजी से बढ़ सकती है।

उद्योग जगत और साझेदारी - बैठक में उपस्थित सभी निर्यात प्रोत्साहन परिषदों और उद्योग संगठनों ने मंत्री के विचारों से सहमति जताई। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योग इस चुनौती को अवसर के रूप में देखेगा। सरकार की ओर से भी यह भरोसा दिलाया गया कि हर क्षेत्रीय समस्या और बाधा को गंभीरता से सुना जाएगा और समाधान निकाला जाएगा। सरकार की नीतियों का उद्देश्य केवल निर्यात को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि स्थायी और दीर्घकालिक व्यापारिक ढांचा तैयार करना है।

आत्मनिर्भर भारत और वैश्विक भूमिका - मंत्री श्री गोयल ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अनुरूप यदि भारतीय उद्योग अपनी क्षमता बढ़ाता है, तो भारत न केवल अपनी घरेलु जरूरतें पूरी करेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी आपूर्ति शृंखला का एक विश्वसनीय भागीदार बनेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि दवाइयों, आईटी सेवाओं और कृषि उत्पादों में भारत पहले ही एक मजबूत स्थान बना चुका है। अब समय है कि हम कपड़ा उद्योग, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बनाएं।

वैश्विक मंदी एवं टैरिफ की मार झेल रही टेक्सटाइल इंडस्ट्री को विशेष राहत पैकेज देने की मांग -विधायक श्री अशोक कोठारी

भीलवाड़ा/ स्थानीय विधायक श्री अशोक कोठारी ने राज्य विधानसभा में प्रदेश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए विशेष राहत पैकेज की मांग की। उन्होंने सदन में बोलते हुए कहा कि भीलवाड़ा, जिसे 'राजस्थान का मैनचेस्टर' और 'टेक्सटाइल सिटी' के नाम से जाना जाता है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है। यहाँ टेक्सटाइल और माइनिंग उद्योग राज्य के राजस्व में अहम भूमिका निभाते हैं और अकेले भीलवाड़ा की टेक्सटाइल इंडस्ट्री 70 हजार से 1 लाख लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार देती हैं। भीलवाड़ा की टेक्सटाइल इंडस्ट्री का 31 हजार करोड़ रूपए सालाना टर्न ओवर है। स्थानीय विधायक श्री कोठारी ने कहा कि वर्तमान में वैश्विक मंदी, व्यापारिक प्रतिबंधों और टैरिफ युद्ध के कारण भीलवाड़ा का टेक्सटाइल उद्योग संकट के दौर से गुजर रहा है, इसलिए टेक्सटाइल इंडस्ट्री को विशेष पैकेज की आवश्यकता है।

उन्होंने सरकार द्वारा घोषित राजस्थान इंडस्ट्रीज प्रमोशन स्कीम RIPS-2024 को एक अच्छी पहल बताया, लेकिन मौजूदा चुनौतियों को देखते हुए इसमें सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। श्री कोठारी ने राज्य सरकार से RIPS सब्सिडी का भुगतान वार्षिक की जगह त्रैमासिक करने तथा राजस्थान में सबसे अधिक बिजली दर होने से टेक्सटाइल उद्योगों को मध्यप्रदेश की तर्ज पर बिजली दरों में 2 से 3 रूपए प्रति यूनिट सब्सिडी देने और बिना किसी रूकावट के बिजली की सप्लाई सुनिश्चित की जाए, ताकि उत्पादन चक्र बाधित न हो।

उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल उद्योगों को स्टेट जीएसटी में भी सब्सिडी प्रदान करने और पुरानी टेक्सटाइल यूनिट को सौर ऊर्जा का लाभ सभी औद्योगिक इकाइयों को देने के लिए RIPS के प्रावधानों में पुरानी इकाइयों में 25 प्रतिशत एक्सपेंशन की शर्त में संशोधन करके सभी को लाभ दिया जाए और सोलर प्रॉजेक्ट्स को विस्तार से अलग मानकर एकल सब्सिडी दी जाए। उन्होंने शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र को, जो की लोक कल्याण से जुड़े होने के कारण इन क्षेत्रों को भी RIPS-2024 में शामिल कर सब्सिडी और प्रोत्साहन दिए जाएँ।
श्री कोठारी ने केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी टेक्स स्लैब में कमी करने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। अंत में उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष के माध्यम से राज्य सरकार से उद्योगों को राहत पैकेज देने का आग्रह करते हुए भीलवाड़ा टेक्सटाइल उद्योग को विशेष राहत पैकेज देने की मांग की, ताकि रोजगार के अवसर बढ़ें और प्रदेश उन्नति करे।

TESSITURA MONTI INDIA PVT. LTD.

Factory & Registered Office :
Gat No. 147, Village Tamgaon, Post - Sangavde, Tal. Karveer,
Kolhapur - Hupari Road, Dist. Kolhapur - 416202. Maharastra.
INDIA. Tel. No : +91 231 2682900 Email : info@monti.co.in

Corporate Office :
77, Jodh Towers, 4th Floor, Lalbagh Road, Bengaluru - 560027,
INDIA. Tel. No : +91 80 40500288
Email : office@monti.co.in Website : www.monti.co.in

@TESSITURAMONTI.INDIA

European Flax. Premium linen fibre

SGCCI ने की एमएमएफ वैल्यू चेन को 5% समान जीएसटी स्लैब में लाने की मांग

सूरत/ सत्य प्रकाश

द सदर्न गुजरात चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (SGCCI) के उपाध्यक्ष श्री अशोक जीरावाला के नेतृत्व में, पूर्व अध्यक्ष श्री आशीष गुजराती, ग्रुप चेयरमैन श्री सुरेश पटेल, डिप्टी सेक्रेटरी श्री पौलिक देसाई तथा नायलॉन स्पिनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों से युक्त प्रतिनिधिमंडल ने 6 सितम्बर 2025 को सूरत में भारत के केंद्रीय जलशक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल से मुलाकात कर बैठक आयोजित की।

चेम्बर के प्रतिनिधिमंडल द्वारा विभिन्न केमिकल्स जैसे पैरा ज़ाईलीन, कैप्रोलैक्टम, एमईजी, पीटीए से लेकर कपड़े तक की सम्पूर्ण मैनमेड फाइबर टेक्सटाइल वैल्यू चेन को 5% की एकसमान जीएसटी दर के अंतर्गत लाने का आग्रह करते हुए विस्तृत प्रस्तुति दी गई।

चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री निखिल मद्रासी ने बताया कि वर्तमान में एमएमएफ यार्न पर जीएसटी की दर 12% से घटाकर 5% कर दी गई है, जिसके चलते यार्न मैन्युफैक्चरिंग स्तर पर इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर और गंभीर हो गया है। इसके कारण इनपुट क्रेडिट का बड़ा अवरोध उत्पन्न हो रहा है। इस इनवर्ज़न की वजह से एमएमएफ स्पिनर्स पूंजीगत सामान (कैपिटल गुड्स) पर इनपुट क्रेडिट का उपयोग नहीं कर पाएंगे।

इस क्षेत्र में आगामी 3 से 4 वर्षों में लगभग 24,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है, लेकिन पूंजीगत सामान पर इनपुट क्रेडिट की यह समस्या उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावित करेगी। परिणामस्वरूप, आगे की वैल्यू चेन के अन्य घटकों पर लागत का भार बढ़ेगा, जिससे उद्योग की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

प्रतिनिधिमंडल ने श्री सी. आर. पाटिल से निवेदन किया कि चेम्बर की यह महत्वपूर्ण प्रस्तुति माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण एवं केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जे. पी. नड्डा तक पहुँचाई जाए।

चेम्बर के उपाध्यक्ष श्री अशोक जीरावाला ने बताया कि श्री सी. आर. पाटिल ने चेम्बर की प्रस्तुति को गंभीरता से सुना और इसे संबंधित विभागों तक पहुँचाने का आश्वासन दिया।

टेक्सटाइल इंडस्ट्री को मिली बड़ी छूट

कच्चे कपास पर आयात शुल्क 42 दिन के लिए हटा

नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय द्वारा 18 अगस्त को जारी अधिसूचना में 30 सितंबर तक कपास आयात पर सीमा शुल्क में अस्थायी छूट की घोषणा की। केंद्र सरकार ने कच्चे कपास पर लगने वाला 11 प्रतिशत आयात शुल्क अगले 42 दिनों के लिए हटा दिया है। यह छूट 30 सितंबर तक रहेगी। यह फैसला टेक्सटाइल उद्योग को राहत देने के लिए लिया गया है, जो बढ़ती कच्चे माल की कीमतों और अमेरिका से आने वाले नए टैरिफ चुनौतियों से जूझ रहा है।

हाल ही जारी एक अधिसूचना में कहा कि यह छूट जरूरी कदम है और जनहित में ली गई है। इससे पूरे टेक्सटाइल सेक्टर जैसे सूत, कपड़ा, गारमेण्ट्स और होम टेक्सटाइल बनाने वालों को महंगाई के दबाव से राहत मिलेगी। विशेषतौर पर त्योहारी सीजन नजदीक है और निर्यात को गति देने की जरूरत है।

एनडीटीवी प्रॉफिट के मुताबिक यह फैसला ऐसे वक्त आया है, जब भारतीय निर्यातकों को अपने अहम अमेरिकी बाजार में टैरिफ की नई बाधाओं का सामना करना पड रहा है। उद्योग ने शिकायत की थी कि कपास की ऊँची कीमतें और शुल्क, कपड़ों और घरेलु टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में उनकी प्रतिस्पर्धा कम कर रहीं थी। यह राहत सिर्फ अस्थायी है। भारत में सबसे बड़ा रोजगार देने वाले क्षेत्रों में टेक्सटाइल और गारमेण्ट्स उद्योग वैश्विक कपास की कीमतों में उतार-चढ़ाव और कमजोर अंतरराष्ट्रीय मांग की वजह से पहले ही दबाव में है।

GST काउन्सिल की 56वीं बैठक में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों का FOSTTA ने किया स्वागत

सूरत / सत्य प्रकाश

फेडरेशन ऑफ सूरत ट्रेड एंड टेक्सटाइल एसोसिएशन (FOSTTA) की ओर से भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी का आभार व्यक्त करते हुए GST काउन्सिल की 56वीं बैठक में लिए गए निर्णयों का हार्दिक स्वागत किया गया।

बैठक में टेक्सटाइल सेक्टर को राहत देते हुए GST दरों में कटौती तथा सभी टेक्सटाइल घटकों को एक समान टेक्स स्लैब में लाने का निर्णय लिया गया, जिसे FOSTTA ने ऐतिहासिक और दूरगामी प्रभाव वाला कदम बताया है। इस निर्णय से देशभर के कपड़ा बाजारों में उत्साह का माहौल है और व्यापार को नई गति मिलने की उम्मीद है।

हालांकि, बैठक में लिए गए निर्णयों में कुछ प्रीमियम रेडीमेड गारमेण्ट्स – जैसे कि लहंगा, शेरवानी और अन्य उच्च मूल्य के परिधान, जिनकी कीमत 2500 रूपए से अधिक है, उन पर 18 % GST यथावत रखा गया है। इस पर व्यापारियों ने चिंता जताते हुए कहा कि ऊँची दरें महंगाई बढ़ा सकती हैं और उपभोक्ताओं में असमंजस की स्थिति उत्पन्न कर सकती हैं।

FOSTTA ने इस विषय पर भारत सरकार से पुनर्विचार करने का विनम्र निवेदन किया है, ताकि टेक्सटाइल उद्योग को समग्र रूप से लाभ मिल सके और व्यापार में पारदर्शिता व सरलता बढ़े।

FOSTTA के प्रेसिडेंट श्री कैलाश हाकिम ने कहा, GST काउन्सिल द्वारा टेक्सटाइल सेक्टर के लिए लिए गए निर्णय निश्चित ही उद्योग के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम हैं। हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी का हृदय से धन्यवाद करते हैं। हमारा मानना है कि यदि प्रीमियम रेडीमेड गारमेण्ट्स पर लागू 18 % GST को भी घटाया जाए, तो यह सम्पूर्ण टेक्सटाइल व्यापार के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होगा और बाजार में स्थिरता आएगी।' इस निर्णय से उम्मीद की जा रही है कि आगामी त्योहारी सीजन में बाजारों में रौनक बढ़ेगी और देश का कपड़ा उद्योग नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर होगा।

श्री कैलाश हाकिम
प्रेसिडेंट-FOSTTA

दिल्ली कपड़ा बाजार

बारिश से कारोबार लगभग ठप्प

व्यापारियों की तैयारी पूरी लेकिन ग्राहक नदारद

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

स्थानीय कपड़ा बाजार में गत पखवाड़े के दौरान रिकॉर्ड बारिश के कारण कारोबार लगभग ठप्प रहा और दिसावारी व्यापारियों का आना जाना बुरी तरह प्रभावित हुआ, जबकि स्थानीय बाजार की मांग पहले ही कमजोर बनी हुई थी। जानकारों का कहना है कि बाजार में लगभग पाँच महीनों से ग्राहकी का पूरी तरह अभाव बना हुआ है और व्यापारियों को ग्राहकी का इंतजार बना हुआ है। अनुभवी व्यापारियों के अनुसार शायद ही कभी बाजार में कमजोर कारोबार को इतना लम्बा समय गुजरा हो। हालांकि सीमित ग्राहकी के छोटे-मोटे दौर तो बाजार में आते ही रहते, लेकिन इस बार ग्राहकी लगभग पूरी तरह से नदारद रहीं।

व्यापारियों को पिछले दिनों यह लगा था कि अगस्त के अंत में ग्राहकी आनी आरंभ हो जाएगी, लेकिन दिल्ली सहित उत्तरी भारत में रिकॉर्ड बारिश ने सब आशाओं पर पानी फेर दिया है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड में रिकॉर्ड बारिश से भारी नुकसान के समाचार हैं और व्यापारियों का कहना है कि इसका असर आने वाले महीनों पर पड़ने की पूरी आशंका है। उनका का कहना है कि हाल की भारी बारिश से अगर फसलों को अधिक नुकसान हुआ तो आगामी महीनों में ग्रामीण क्षेत्रों की ग्राहकी प्रभावित हो सकती है।

व्यापारियों का कहना है कि सितम्बर में श्राद्ध पक्ष आरंभ होने के कारण अब कारोबार कमजोर बना रहने की आशंका है। व्यापारियों के अनुसार इस वर्ष दशहरा, दीपावली के त्योहार गत वर्ष की तुलना में जल्दी आने के कारण आगामी दिनों में ग्राहकी आने की आशा थी, लेकिन हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू, उत्तराखंड आदि में बाढ़ से हुए नुकसान के कारण वहाँ की मांग कमजोर रह सकती है। उनके अनुसार सूटिंग-शर्टिंग में मिलों से माल की चालानी हो रही है, लेकिन ग्राहकी आने का इंतजार है। पिछले कुछ वर्षो से त्योहारों अथवा शादी-विवाह में सूट, कोट-पेंट आदि का चलन कम होने से सूटिंग की मांग कुछ प्रभावित हुई है। हालांकि शर्टिंग की मांग में सुधार हुआ है, क्योंकि इसका प्रयोग कुर्तों में होता रहता है। विगत दिनों ग्राडो, रेमंड, डोनियर, दिग्जाम, सियाराम, रीड एंड टेलर आदि द्वारा की गई बुकिंग का माल बाजार में आ रहा है। लिनन, कॉटन, सूटिंग, सफारी आदि में उठाव कमजोर है, लेकिन जापानी सूटिंग की रेडीमेड सेक्टर में मांग बनी हुई है।

वैवाहिक सीजन नहीं होने से कॉम्बो पैकिंग का उठाव कम

परम्परागत लहंगा, चुनरी आदि की मांग सिमटती जा रहीं है और इसका स्थान वेस्टर्न ड्रेस यानि गाउन आदि ले रहे हैं। लहंगा, चुनरी अब लाइटवेट, लाइट कलर का चलन है। कॉटन आयटमों में भी कारोबार कमजोर है, लेकिन व्यापारियों को आगामी दिनों में पोपलीन, पशमीना, स्पन आदि की मांग आने का अनुमान है। बुटिक मालिकों द्वारा लेडीज वियर के लिए सेम्पलिंग आरंभ करने से फैब्रिक की मांग आ रहीं है और वे कुछ नया मांग रहे हैं।

विगत दिनों राहुल ट्रेडिंग कम्पनी द्वारा विंटर सीजन के लिए दी गई लिनन की नई रेंज की अच्छी पूछ-परख है। जानकारों का कहना है कि डोबीज आदि की मांग अच्छी रहने का अनुमान है। बाजार में रूबिया आदि की मांग लगभग समाप्त हो गई है। लेडीज सूटों में अब मोटे माल की मांग आने लगी है।

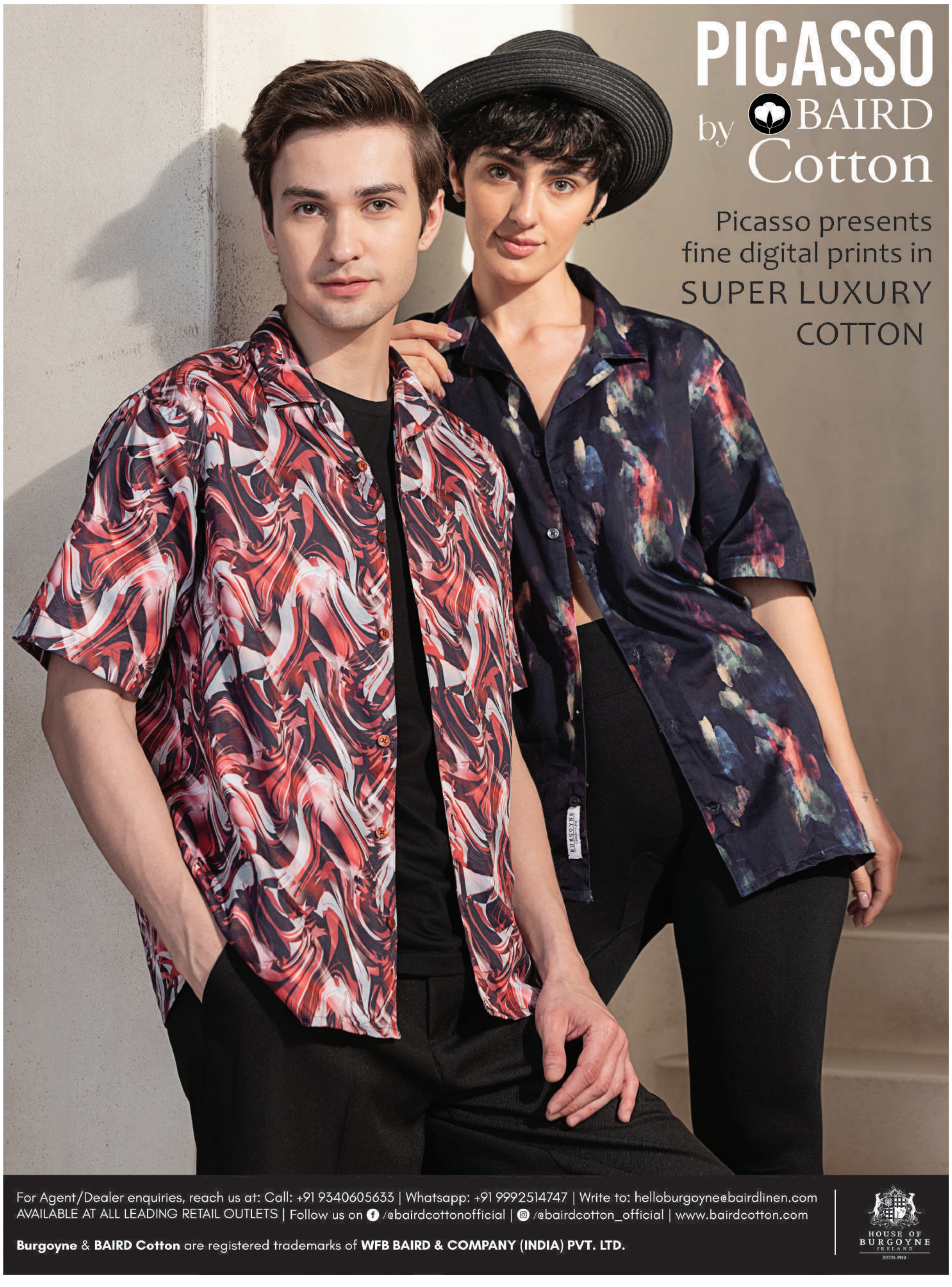

मार्केट पर ट्रंप के टैरिफ का असर

कोयंबटूर/ सुनिल कोठारी

कपड़ा बाजार में ग्राहकी ठीक है। ओणम की रौनक मार्केट में मिली जुली है और बड़े-बड़े रिटेल शोरूमों में अमूमन भीड़ दिख रहीं है, वहीं छोटे दुकानदारों की हालत कुछ खास अच्छी नहीं है। छोटे व्यापारियों के व्यापार को जिंदा रखने के लिए सरकार को कुछ सोचना पड़ेगा। तिरूपुर में भी ट्रंप के टैरिफ का असर दिखने लगा है। सिर्फ एक्सपोर्ट पर निर्भर मिलों के ऑर्डर्स कैंसिल हो रहे हैं, जिससे व्यापारी अन्य यूरोपीयन मार्केट की तरफ रूख कर रहे हैं। तिरूपुर के स्थानीय मार्केट में काम करने वालों के लिए कामकाज ठीक-ठाक चल रहा है। बिहार में चुनाव का असर तिरूपुर फैक्ट्रियों पर पड़ेगा, क्योंकि जो लेबर गाँव गई है वह चुनाव के बाद ही आने की उम्मीद है।

मार्केट में पितृपक्ष के बाद व्यापार की उम्मीद

सतना/ बलराम शुक्ला

प्रमुख त्योहारों की समाप्ति के बाद बाजारों में सन्नाटा पसर गया है। इस सीजन का आखिरी त्योहार हरतालिका तीज थी, जिसके बाद ग्राहक नदारत है। इस वर्ष बारिश तो बहुत अच्छी है, जो आने वाली फसल के लिए बहुत अच्छी है। श्राद्ध पक्ष होने से लोग पितरों को प्रसन्न करने के लिए गया जी जा रहे है। हमारे यहाँ गया जी जाने पर एक रिवाज है, जिसमें भगवा वस्त्र पहनकर जाना होता है, उसके लिए माइक्रो लिजीविजी खूब बिक रहीं है। कुछ व्यापारी तो रेडीमेड कपड़े बेच रहे हैं। इस कारण छुटपुट व्यापार चल रहा है। आने वाला समय ठण्ड का रहेगा, इसलिए शॉल, कम्बल, लोई की अच्छी ग्राहकी चलने की उम्मीद है ।

केंद्र सरकार ने कपास आयात का समय बढ़ाया

कोल्हापुर/ राहुल खाडे

केंद्र सरकार ने कपास आयात शुल्क में दी सहूलियत 31 दिसंबर तक बढ़ाई है। वस्त्रोद्योग क्षेत्र के इस फैसले का स्वागत किया जा रहा है, लेकिन किसानों का नुकसान होने की संभावना है, जबकि इस साल बारिश की वजह से कपास बाजार में आने के लिए देर लगेगी। वस्त्रोद्योग क्षेत्र को प्रोत्साहन देने और कपड़े की कीमत स्थिर रखने के लिए केंद्र सरकार ने 19 अगस्त से 30 सितंबर 2025 तक कपास के आयात शुल्क में सहूलियत दी थी। उसको अब 31 दिसंबर तक बढ़ाया है। इस बीच कपास के हमीभाव में 8 फीसदी बढ़ोतरी की है, लेकिन कपास की चर्चा से कपास के दाम गिरे हैं। विदेश के सस्ते कपास से देश के कपास उत्पादन पर असर होने की संभावना से किसान इसका विरोध कर रहे हैं, लेकिन सीसीआई (कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया) की ओर से हमीभाव से होने वाली खरीददारी का किसानों पर असर नहीं होगा, ऐसा महाराष्ट्र वस्त्रोद्योग महासंघ का कहना है। महासंघ की मांग है कि आयात शुल्क में छूट देने का समय छह माह से एक साल तक बढ़ाया जाना चाहिए। इसलिए किसानों का विरोध कपास आयात की दर गिरे हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील और अमेरिका से खरीदा हुआ कपास भारत में आने के लिए दो माह का समय लगेगा, तब तक यानी अक्टूबर तक देश की कपास बाजार में आना शुरू होगी, जो नवंबर तक बढ़ेगा, जिससे दर और कम होंगे। विदेश के सस्ते कपास के आगे देश का कपास नहीं टिकेगा ऐसा किसानों का कहना है। केंद्र सरकार का कपास शुल्क फैसला वस्त्रोद्योग के लिए फायदेमंद साबित होगा। सीसीआई हमीभाव से कपास की खरीदारी करेगा, जिससे इस फैसले का किसानों पर असर नहीं होगा।
अशोक स्वामी, अध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य वस्त्रोद्योग संघ

जीएसटी 2.0 से भीलवाडा में निर्मित मैनमेड यार्न एवं सूटिंग की लागत में आएगी कमी -मेवाड़ चेंबर

भीलवाड़ा

जीएसटी 2.0 में अब जीएसटी के सिर्फ दो स्लेब 5 एवं 18 प्रतिशत होंगे। स्थानीय टेक्सटाइल उद्योग के लिए यह एक सकारात्मक कदम है। मेवाड़ चेंबर के मानद महासचिव आर के जैन ने बताया कि टेक्सटाइल क्षेत्र में जीएसटी युक्तिकरण संरचनात्मक विसंगतियां दूर होगी एवं कपड़ा निर्माण लागत कम होगी, इससे मांग बढ़ेगी एवं निर्यात प्रतिस्पर्द्धा में फाइबर एवं यार्न पर जीएसटी कम होने से निर्यात बढ़ेगा। जीएसटी युक्तिकरण से विसंगतियां कम होकर फाइबर से लेकर रेडीमेड तक टेक्सटाइल की पूरी चैन में मूल्य शृंखला मजबूत होगी। मैनमेड फाइबर पर जीएसटी 12 प्रतिशत से कम होकर 5 प्रतिशत की गई है, इससे भीलवाड़ा में निर्मित मैनमेड यार्न एवं सूटिंग की लागत में कमी आएगी। मैनमेड यार्न पर भी जीएसटी की दर 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत की गई है। भीलवाड़ा के टेक्सटाइल उद्योग की लम्बे समय से मांग थी कि मैनमेड फाइबर एवं यार्न पर कॉटन के समान जीएसटी दरें की जाए। अब इस परिवर्तन से भीलवाड़ा का मैनमेड यार्न निर्माण एवं सूटिंग निर्माण को और गति मिलेगी। स्थानीय मण्डी में विभिन्न स्पिनिंग मिलों में लगभग 2.50 से 3 लाख टन मैनमेड यार्न बनता है। इसमें करीब दो हजार करोड़ से अधिक का यार्न निर्यात किया जाता है। यार्न निर्यात में भी बढ़ोतरी होगी। मैनमेड फाइबर पर जीएसटी कम होने से विभिन्न तरह के टेक्नीकल टेक्सटाइल उत्पादों में काम आने वाले सिंथेटिक वस्त्र अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी। रेडीमेड गारमेण्ट में 2500 रूपये से कम मूल्य के कपड़ों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत की स्लैब में किया गया है, इससे देश में रेडीमेड निर्माण में भीलवाड़ा में निर्मित पीवी ब्लैंडेड सूटिंग एवं जींस निर्माण में ब्लैंडेड डेनिम की मांग बढ़ेगी।

टेक्सटाइल निर्यात घटने का दबाव मार्केट पर

विंटर सीजन कपड़ों में कारोबार की उम्मीद

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय

कपड़ा बाजार में ग्राहकी बढ़ने के बदले मंद है। अमेरिकी टैरिफ के कारण कपड़ों में कारोबार का समीकरण बदल गया है। कपड़ा मैन्युफेक्चरर्स से लेकर निर्यातक और यार्न बनाने वाली इकाइयों में कारोबार को लेकर असमंजस एवं अनिश्चितता बढ़ी है। साथ ही देश के कई हिस्से में बारिश एवं बाढ़ के कारण हालात खराब होने से कपड़ों की देसावरी मांग पर विपरीत असर पड़ा है। सितम्बर में श्राद्ध पक्ष शुरू हो रहा है, इसमें ग्राहकी हमेशा मंद रहती है, परंतु कारोबारियों को लगता है कि सितम्बर से ही नवरात्रि शुरू हो रही है तब कपड़ों में कारोबार ठीक ढंग से चलेगा। अभी रूई, कॉटन यार्न और सूती कपड़ों में रूख नरम है।

दशहरा, साउथ का ओणम और दीपावली जैसे त्योहार सामने होने से कपड़ों में कारोबार अच्छा होने की पूरी संभावना है। इनके बाद वैवाहिक सीजन शुरू हो जाता है। अतः आगे बाजार में मंदी की संभावना नहीं है। सितम्बर महीने में जीएसटी कौंसिल की हो रही बैठक में जीएसटी की दरों में फेरबदल होने जा रहा है। यद्यपि 12 प्रतिशत का स्लैब हटा देने से कपड़ा एवं गारमेण्ट पर अभी जीएसटी पाँच प्रतिशत ही लगती है। कुछ यार्न पर 18 प्रतिशत शुल्क लगता है, इसमें इन्वर्टेड ड्यूटी क्रेडिट की समस्या रहती है, इस समस्या का समाधान कैसे किया जाएगा। कारोबार में सतर्कता एवं सावधानी बरती जा रहीं है।

विंटर एवं वैवाहिक सीजन के लिए फैंसी शर्टिंग में कामकाज थोड़ा होने लगा है, परंतु उठाव अधिक नही है कि उत्पादन बढ़ाने का जोखिम मिलें उठा सके। यार्न डाईड शर्टिंग की मांग घटी है तथा पीस डाईड में मिलों की नई वैरायटियों की भरमार है। सूटिंग की मांग में सुधार धारणा के अनुसार नही होने से अस्तर कपड़ों की मांग नहीं सुधरी रही है। डेनिम जींस की मांग सुधरी है। विंटर सीजन की वैरायटी रेयॉन, मोडाल बेस कपड़ों की मांग निकलने से भाव सुधरे हैं। कॉटन साटीन एवं कॉटन ट्वील, लाइनिंग में बाजार का रूख सकारात्मक है। विंटर सीजन में कपड़ों में कारोबार अच्छा होने की उम्मीद है।

रूई आयात शुल्क दिसम्बर तक समाप्त कर देने से रूई और कॉटन यार्न के भाव पर इसका असर दिखाई देने लगा है। कॉटन यार्न के भाव घटने की संभावनाओं के बीच ग्रे सूती कपड़ों का उठाव धीमा हो गया है। अमेरिकी टैरिफ के कारण टेक्सटाइल वैल्यू चेन में अनिश्चितता बढ़ी है, विशेषकर ऐसे क्लस्टर में जिनका निर्यात कारोबार अमेरिकी बाजारों पर निर्भर रहा है। यद्यपि सरकार की ओर से टैरिफ को काउंटर करने और निर्यातकों को उचित वैकल्पिक उपलब्ध हो, इसके लिए जल्द ही कदम उठाने की घोषणा कर सकती है।

टेक्सटाइल उद्योग संगठनों का मानना है कि भारत से कपड़ा एवं गारमेण्ट का लगभग 25 प्रतिशत निर्यात अमेरिका में किया जाता है। अमेरिकी बाजार में ऊँचे टैरिफ के कारण संघर्ष कर रहे महत्त्वपूर्ण एवं व्यापक रोजगार लक्षी उद्योगों के लिए सरकार एक पैकेज तैयार कर रहीं है। माइक्रो, स्मॉल एवं मीडियम इंटरप्राइजेज अर्थात् एमएसएमई को केंद्र में रखकर यह पैकेज बनाया जा रहा है। श्रम बहुल उद्योग के लिए तत्काल वैकल्पिक बाजार खोजना सरल नही है। जिनकी अमेरिकी बाजार पर अधिक निर्भरता है, उनके निर्यात पर हैवी टैरिफ का प्रतिकूल असर होगा। एकाध वर्ष तक टैरिफ के कारण कारोबार में अवरोध रहने का अनुमान है।

अमेरिका और भारत के बीच गहरे संबंधों पर ट्रम्प की नीतियों के कारण अब खाई बढ़ गई है। भारत ने अमेरिका को छोड़कर अन्य देशों में निर्यात बढ़ाने की नीति अपनाना शुरू कर दिया है। निर्यात के लिए किसी एक देश पर अधिक निर्भर रहना देश के उद्योगों के लिए जोखिम है। इसलिए सरकार की ओर से मध्यम से लंबी अवधि की व्यूह निर्यात नीति अपनाने का प्रयास किया जा रहा है। भारत यूरोप पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। भारत का यूके के साथ एफटीए हो चुका है तथा ईयू के साथ एफटीए पर बातचीत चल रहीं है। इसके अलावा वाणिज्य मंत्रालय 50 देशों के साथ व्यापारिक संबंध बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है।

निर्यातकों का कहना है कि कर्ज के ब्याज पर छूट समेत एमएसएमई को सपोर्ट देने के कदम उठाए जाने चाहिए, क्योंकि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड वार नया मोड ले चुका है। टैरिफ के कारण अरबों डॉलर से अधिक का निर्यात खतरे में है। टेक्सटाइल, अपेरल, लेदर, जेम्स एंड ज्वैलरी से लेकर सी फूड तक, हर सेक्टर पर मार पड़ सकती है। निर्यात घटने पर इस क्षेत्र से जुड़े लोगों की नौकरियों पर भी संकट मंडरा रहा है। भारत इस संकट को नये अवसर में बदलने की चेष्टा में है और निर्यातकों के लिए हर संभव सहायता के साथ ऐसे नये बाजारों की तलाश में जुट गया है, जिससे अमेरिका की निर्यात क्षतिपूर्ति की जा सके।

सम्पादकीय....

बरसात की मार

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और भविष्य की चुनौतियाँ

जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम चक्र में आई तब्दीली का परिणाम है - आवश्यकता से अधिक बारिश अथवा कम समय में ज्यादा वर्षा। इसका नतीजा देश के एक बड़े हिस्से में बाढ़ और जल भराव के चलते लोगों को गंभीर समस्याओं से दो-चार होना पड़ रहा है। इस बार अर्से बाद इतनी लंबी अवधि तक बरसात हो रही है, इसलिए वर्षा जनित समस्याएं कहीं अधिक देखने को मिल रही हैं। सबसे अधिक समस्याओं से ग्रसित देश के दो-चार पर्वतीय राज्य हैं। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर में अधिक बारिश के कुछ ज्यादा ही दुष्परिणाम देखने को मिल रहे हैं। इन राज्यों में भूस्खलन की जितनी अधिक घटनाएं सामने आ रही हैं, वे गंभीर चिंता का कारण हैं, लेकिन यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि चेतने से इन्कार किया जा रहा है। इसका एक प्रमाण यह है कि उन कारणों के चलते जान-माल की अधिक क्षति हो रही है, लेकिन जो ज्ञात हैं उसका निवारण किया जाना चाहिए।

यह समझना कठिन है कि पहाड़ों से अनावश्यक छेड़छाड़ और पहाड़ी नदियों के किनारे अंधाधुंध निर्माण कार्य से क्यों नहीं बचा जा रहा है? आखिर इस तथ्य को क्यों ओझल किया जा रहा है कि यदि नदियों के स्वाभाविक मार्ग को बाधित किया जाएगा तो वे तबाही का कारण बनेंगी? पर्वतीय राज्यों को इससे भी चिंतित होना चाहिए कि आखिर अब बादल फटने की इतनी अधिक घटनाएं क्यों हो रही हैं?

इस बार बारिश पर्वतीय राज्यों के साथ-साथ मैदानी राज्यों में भी कहर ढा रहीं है। इसका कारण केवल जरूरत से ज्यादा बारिश होना नही है। इसका एक कारण कमजोर आधारभूत ढांचे का निर्माण और जल निकासी के उपयुक्त उपाय न किया जाना है। यहीं कारण है कि नई बनी सड़कों और यहाँ तक कि एक्सप्रेसवे और हाईवे तक पर जाम लग रहे हैं। शहरों के अंदर की सड़कें भी जल भराव और जाम से जूझ रही हैं। स्थिति यह है कि महानगर तक की सड़कों में जल निकासी के पर्याप्त उपाय नहीं दिख रहे हैं। निश्चित रूप से यदि कहीं पर भी ज्यादा बारिश होगी तो उससे कुछ न कुछ समस्याएं उपजेंगी ही, लेकिन इन समस्याओं पर एक बड़ी हद तक काबू पाया जा सकता है। यह तभी संभव है, जब बुनियादी ढांचे का निर्माण भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाए और जल निकासी के बेहतर उपाय किए जाएं।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बेहतर उपायों की बातें तो खूब होती हैं, लेकिन उनके अनुरूप कुछ ठोस होता हुआ नहीं दिखता। यहीं स्थिति जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को बढ़ाने वाले कारणों का निवारण करने के उपायों के मामले में भी है। एक बड़ी व्यथा यह है कि मानसून विदा होते ही यह भुला दिया जाएगा कि देश के लोगों को अति वर्षा, बाढ़, जल भराव आदि के कारण कैसे-कैसे संकटों से जूझना पड़ा?

कुछ नया, कुछ अलग •

श्री हरेश मेहता
प्रेसीडेन्ट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरू)

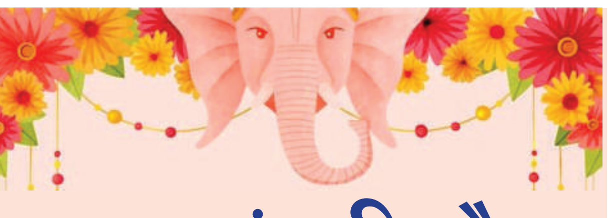

सनातन संस्कृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक है गणेशोत्सव

नमस्ते मित्रों,

देशभर में गणेशोत्सव का त्योहार फिलहाल बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। हर गली, मोहल्ले और घर में गणपति बप्पा की स्थापना श्रद्धा और उत्साह के साथ की जा रही है। विशेष रूप से महाराष्ट्र राज्य में इस पर्व की रौनक देखते ही बनती है। हर मंडल अपनी अलग थीम और सजावट के जरिए लोगों को आकर्षित करने में जुटा है। रंग-बिरंगी रोशनी और पारंपरिक ढोल व ताशे की गूंज से हर्षोल्लास का वातावरण छाया हुआ है। विविध पंडालों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजना हो रहा है। 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष के साथ सम्पूर्ण वातावरण भक्ति मय हो उठा है, मानो खुद विघ्नहर्ता हमारे बीच विराजमान हो गए, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सार्वजनिक रूप से गणेशोत्सव मनाने की परंपरा कब शुरू हुई थी? यह साल 1893 का था। भारत देश अब भी विदेशी बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। अंग्रेजों का शासन लोगों के मनोबल को तोड़ने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाता था। बड़ी सभाओं, जन आंदोलन और सामाजिक जमावड़ों पर कड़ी निगरानी रखी जाती थी ताकि भारतीय जनता कभी एकजुट न हो पाए। ऐसे समय में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने सोचा कि जब जनता को सीधा राजनीतिक रूप से संगठित करना मुश्किल है, तो क्यों न धार्मिक आस्था के माध्यम से लोगों को जोड़ा जाए और यहीं से शुरू हुआ सार्वजनिक गणेशोत्सव का आयोजन।

तिलक द्वारा शुरू की गई यह परंपरा धीरे-धीरे महाराष्ट्र की सीमाओं से निकलकर पूरे देश में फैलने लगी। गणपति उत्सव अब सिर्फ पूजा का माध्यम नहीं रहा, बल्कि जनजागरण और सामाजिक संवाद का सशक्त मंच बन गया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कई जगहों पर गणेशोत्सव का उपयोग राष्ट्रीय एकता, स्वदेशी आंदोलन और ब्रिटिश शासन के खिलाफ जन - चेतना फैलाने के लिए किया गया। बंगाल, गुजरात, कर्नाटक और उत्तर भारत के कई हिस्सों में भी इस पर्व को सार्वजनिक रूप से मनाने की परंपरा शुरू हुई। समय के साथ-साथ यह पर्व हर समुदाय और क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाता चला गया और भारत की सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बन गया।

वर्तमान समय में गणेशोत्सव का सबसे अधिक महत्त्व महाराष्ट्र के मुम्बई, पुणे और नासिक जैसे शहरों में देखने को मिलता है। यहाँ के प्रसिद्ध मंडल जैसे लालबाग चा राजा, दगडूशेठ हलवाई गणपति और चिंचपोकळी चा राजा लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं। विशेष रूप से लालबाग चा राजा के दर्शन के लिए मशहूर फिल्म स्टार, उद्योगपति, क्रिकेटर और नेता सहित अनेक नामचीन हस्तियाँ पहुँचती है। वहीं मुम्बई के किंग सर्कल स्थित जीएसबी सेवा मंडल में विराजित गणपति की मूर्ति असली सोने-चांदी के आभूषणों से भव्य रूप से सुसज्जित होती है। तकनीक के बढ़ते प्रभाव के साथ अब कई मंडल ऑनलाइन दर्शन की सुविधा भी उपलब्ध कराते हैं।

गणेशोत्सव न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक महत्त्व रखता है, बल्कि इसका एक आर्थिक पहलू भी है। जहाँ एक ओर यह त्योहार भक्ति और उल्लास का प्रतीक है, वहीं दूसरी ओर यह हर साल हजारों छोटे व्यापारियों, कारीगरों और कलाकारों के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर भी लेकर आता है। इस वर्ष व्यापारियों ने विदेशी सामान का उपयोग कम करते हुए स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया है। इस साल गणेश मूर्तिओं का कारोबार 600 करोड़ रूपए से अधिक होने का आंका गया है, जबकि पूजा सामग्री की बिक्री लगभग 500 करोड़ रूपए तक पहुँच सकती है। मोदक और अन्य मिठाइयों का बाजार लगभग 2,000 करोड़ रूपए से ऊपर जा सकता है।

पिछले कुछ वर्षों से गणेशोत्सव के दौरान पर्यावरण के प्रति जागरूकता देखने को मिली है। अब कई मंडलों और घरों में मिट्टी, कागज और प्राकृतिक रंगों से निर्मित इको-फ्रेंडली गणेश मूर्तियाँ स्थापित करने का चलन बढ़ा है। साथ ही डेकोरेशन के लिए भी प्लास्टिक की जगह कागज और पुनः उपयोग में लाई जाने वाली सामग्री का प्रयोग बढ़ा है। हालांकि, आज भी कई पंडाल पर्यावरण के लिए नुकसानदेह प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी मूर्तियों का उपयोग कर रहे हैं। इन मूर्तियों के विसर्जन के दौरान प्लास्टर ऑफ पेरिस में मौजूद रासायनिक तत्व पानी में मिलकर तालाबों और समुद्र को प्रदूषित करते हैं। यह पानी में लंबे समय तक रहता है और टूटने में महीनों लग जाते हैं।

विघ्नहर्ता गणेशजी का यह पावन त्योहार हम सबके जीवन में ढेरों खुशियाँ लेकर आए और विघ्नहर्ता हमारे सभी विघ्नों का नाश करें, इसी मंगलकामना के साथ आज की बात को यहीं अल्पविराम देता हूँ।

गणपति बप्पा मोरया, मंगलमूर्ती मोरया!

Email: harresh.mehta@yashcotton.com | Mobile +91 82916-71111

वर्षा ऋतु में व्यावसायिक गतिविधियाँ कमजोर

बालोतरा/ लालचन्द पुनीत

मौसम की प्रतिकूलता के परिणामस्वरूप औद्योगिक गतिविधियां, जैसे धुपाई, रंगाई-छपाई आदि अवरूद्ध है। जमीनी तल जब तक आर्द्रता से ओत-प्रोत रहता है, तब तक माल के निर्माण की विधियां प्रायः सुप्त रहती है। मौसम विभाग के अनुसार अभी कई दिनों तक आकाश में बादलों के आच्छादित रहने के साथ बरसाती माहौल की सम्भावना बताई जा रही है। जब तक भगवान सूर्य अपनी तप्त किरणों से व्याप्त नमी को औझल नही कर पाते, तब तक निर्माण प्रक्रियाओं का अस्तित्व में आना सम्भव नहीं है। परिस्थतियाँ जब तक अनुकूल नही बन पाती, उस समय तक मजदूर भी अपने गृह ग्रामों से नही लौटते। फिलहाल, जिनके पास तैयार माल है या जिन प्रतिष्ठानों के पास अंतिम प्रक्रिया के लिए माल है, वे अवश्य माल चालानी में अपना योगदान कर रहे हैं। वर्षा ऋतु में व्यावसायिक कार्यकलाप प्रायः मंद गति से ही चलते हैं। इसका कारण यह भी है कि दिसावरी मण्डियों में भी ग्राहकी का अभाव है तथा क्षमता सम्पन्न व्यापारी आगे के रूख को दृष्टिगत रखते हुए माल मंगाते देखे गए हैं। ऐसा लगता है कि अभी कुछ माल मंगा लिया जाए, ताकि ग्राहकी चलने पर उन्हें मायूस बनने की नौबत न आए। उत्पादकों के पास ऑफर है और उन्हें व्यापारियों द्वारा स्मरण भी बार-बार किया जा रहा है। अतः उद्यमियों द्वारा यह कहा जा रहा है कि स्टॉक में जो तैयार माल था वो भेजा जा चुका है और बकाया माल चालान होने में 10-15 दिन लगेंगे। कुछ भी हो स्थानीय पोपलीन, पेटीकोट, पोकेटिंग क्लॉथ, रूबिया, अस्तर आदि का रूतबा बराबर कायम है। उत्पादकों द्वारा गुणवत्तायुक्त माल बनाने व आकर्षक पैकिंग के फलस्वरूप ग्राहकों की डिमाण्ड अनवरत जारी रहना एक शुभ संकेत है। कुछ उत्पादक जो टेक्नीकल टेक्सटाइल का माल उत्पादित करते हैं, उनका कार्यकौशल उच्च स्तर पर बताया जा रहा है। स्थानीय एक दृढ़ निश्चयी समाजसेवी, औद्योगिक प्रतिभा पुरूष, नेतृत्व क्षमता सम्पन्न गौतम चन्द चौपड़ा के अवसान पर विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, साहित्यिक एवं धार्मिक संस्थानों ने स्मृति सभा आयोजित कर उनके कार्यों को रखा और उनके आदर्शों को अंगीकार करने का आह्वान करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित कर इसे अपूर्णीय क्षति सदृश बताया।

औद्योगिक के साथ-साथ यह क्षेत्र आध्यात्मिक कार्यकलापों में भी विशेष स्थान रखता है। बिठूजा के बाबा रामदेव धाम और जसोल के माँ राणी भटियाणी धाम पर समय-समय पर कई कार्यक्रम आयोजित होते हैं। बालोतरा से अभी रेल यात्रा का संघ द्वारा स्वागत अभिनव रहा।

कपड़ा मार्केट में हलचल शुरू

रेवाड़ी/ जयप्रकाश शर्मा

बाजार में अभी वर्षा होने से ग्राहकी कमजोर है, क्योंकि मार्केट में ग्राहकों की आवक नहीं है। मार्केट में रिटेल बुकिंग हो रही है और व्यापारी नवरात्री पर माल मंगवा रहे हैं। आँचल साड़ी शोरूम के यहाँ प्रिंट साड़ियां बिक रही है। नवदुर्गा वस्त्रालय के यहाँ पोपलीन व्हाइट कलर का कपड़ा अच्छा बिक रहा है, क्योंकि भगवान रामदेवजी का कपड़ा अच्छा बिक रहा है। अभी बाजार में मेलों के कारण बच्चों के आयटम अच्छे बिक रहे हैं। कृष्णा वस्त्र भण्डार के यहाँ पेंट-शर्ट एवं हल्की सूटिंग की अच्छी डिमाण्ड है, क्योंकि आगे सीजन होने के कारण कपड़ा सभी जगह से मंगवा रहे हैं। अतुल सूटिंग श्री नागपाल जी के यहाँ सूटिंग प्राइमरा, एमसीएम सूटिंग का कपड़ा अच्छा जा रहा है। प्राइमरा की ज्याफर, पालर्मस, मीड़ियोकर, मक्समारा, सिनामेटिक्स, ग्रीनवेल की बुकिंग अच्छी आ रही है। मार्केट में ग्राहकी है, किंतु वर्षा बहुत होने से अभी मार्केट नरम है। आगामी सीजन को देखते हुए ग्राहकी अच्छी रहेगी।

नवरात्रा की तैयारी में जुटे व्यापारी

ब्यावर/ अनिल डोसी

स्थानीय मण्डी में ग्राहकी धीमी गति से चल रही है। भारत सरकार द्वारा जीएसटी पर 12 से 18 प्रतिशत की स्लेब हटाकर सिर्फ 5 प्रतिशत, 18 प्रतिशत व 40 प्रतिशत रखा गया है, जिससे घरेलु सामान के भावों में गिरावट आएगी। अतः जरूरत के मुताबिक कपड़ा खरीदी हो रहीं है। आगे श्राद्ध पक्ष में वैसे भी व्यापार कम ही होता है, लेकिन नवरात्रा में ही व्यापार होगा। यार्न मार्केट में तेजी बनी हुई है और बरसात का मौसम जारी है। सूटिंग-शर्टिंग, ड्रेस मटीरियल, साड़ियां, सलवार सूट, टेरी रूबिया, रोटो आदि में ग्राहकी अच्छी हो रही है।

YARN Rate
यार्न रेट्स 05 सितम्बर, 2025

C.T.M.
PH. 247511, 247512, 9829045130

2/30 NTBL	.....
2/18 Dyed	.....
2/40 Dyed	.....
2/30 Frosted	.....
2/30 Dyed Slub	.....
2/30 School Dress Clourer	.....

R.T.M Mob: 9829047404

2/30 Dyed Ntbl	232
2/40 Dyed	272
2/30 Frosted	230
2/40 HT	297

SRM Spinners Mob. 8078660873

2/18 PV Diamond	165
2/18 PV Navy 85:15	175
2/18 PV Black 70:30	194
2/18 R Navy 70:30	187
1/15 Poly Black	129
20 PV Black	151
15 PV Black	147
2/30 PV 65/35 Black	192

PANIPAT YARN- 9416031498

TEXTURISE

150	Roto	Grey.	107-149
150	Roto	Black.	107-148
150	Roto	Bright.	121-142
150/250		grey.	111-162
150/250		dyed	124-166
150 FDY.			127

P.V. Yarn

2/20 Grey CL	134
2/40 POLY	178
2/15 Poly Grey	126
2/20 Poly CL	-----
20 Poly CL	123

Cotton Yarn

4 cone OE	53-116
6 cone. OE	59-160
10 cone OE	82-116
2/4 cone OE	87-162
2/6. OE	98-172
2/8 OE	102-184
2/10 OE.	111-224
2/20 OE.	220-308
2/30 RF.	309-424
2/40 RF	309-434

STAPLE YARN

10 CONE	206
15 CONE	209
20 CONE	211
2/15 CONE	212
2/40 CONE	268

Raghav Group (94141-11402)
Email: sheetal@raghavindia.com

TRIDENT LIMITED

COUNT	RATE
1/10 OE	...
1/14 OE	...
1/16 OE	...
1/20 OE	...
30 KW	...
30 CWC 2	...
2/40 CW ELLY	...
40 CW COMPACT	...
50 CW COMPACT	...

SIDDHARTHA SUPER SPG MILLS

2/15 P/V DYED OLIVE GREEN	...
2/18 P/V BLACK	...
2/30 P/V BLACK	...

LNJ DENIM

6 OE	...
7 OE	...
10 OE	...
10 LYCRA	...
10 SLUB LYCRA	...

VISAKA IND. LTD.
PH. 93514-27900

2/20 Poly Grey@	54
2/24 Poly Grey@	160
2/30 Poly Grey@	165
2/40 Poly Grey@	192
2/60 Poly Grey@	253
2/76 Poly Grey@	311
2/30 PV Black @	214
2/40 PV Black @	254
2/30 PV HD Dyed @	241

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.
PH. 99358-27000

Ankur	
1/20 pv	NA
1/15 pv	NA
2/30 pv	NA
1/30 pv	170
Jaanvi	
1/15 psy	125
Triveni	
2/40 pv	218
2/30 pv	186
1/20 pv	158
1/15 pv	152

NEETA YARNS
Ph. 022-28335766, 093246-70428
(M) 98210-82022
Fancy Yarn Per Kg

2/60 PC (65/35)	-----
2/60 PVT	-----
2/60 Polyster	-----
2/76 Polyster	-----
2/60 P.V.	-----
2/60 P.C.	-----
150/48/400 Bright	-----
75/36/1450 Bright Rate	-----
65/36/600 Bright Rate	-----
100/36/1450	-----

MODTEX TEXTURISERS
PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	200+GST
150 HIM Cone Dyed	-----+GST
300 HIM Cone Dyed	-----+GST

Cd : 3rs/kg

टेक्सटाइल वर्ल्ड समाचार पत्र प्राप्त करने के लिये सम्पर्क 9468835188

RATAN BARJATIYA SPINNERS
Bhavit Jain: 9928913144

PV +POLY+PC + VISCOSE +COTTON
VIRGIN + RECYCLE
2/80
2/60
2/50
2/40
2/30
2/24
2/20
2/18
2/15
2/12
2/10
SINGAL YARN
8 TO 80 COUNT

MAGIC YARN
2/32. TO 260

ALL TYPE MULTIFOLD YARN ,
SWING THRED
ANY INTREST PLEASE CALL
ALSO
TEX YARN INDORAMA

PLEASE CALL
BHAVIT. 9928913144
NENAWATI 8764286144
SURENDAR. 9166963144

सितंबर 2025 में गोचर के आधार पर मेष राशि से मीन राशि तक प्रभाव -ज्योतिर्विद डॉ. श्री बालकृष्ण मिश्र

मेष राशि - मेष राशि के जातकों के लिए शनि का गोचर आर्थिक रूप से शुभ रहेगा, लेकिन संतान, स्वास्थ्य और रिश्तों को लेकर थोड़ी चुनौतियां आ सकती है। कड़ी मेहनत और धैर्य रखने से लाभ मिलेगा। विवाहित जीवन में उतार-चढ़ाव आ सकते हैं, लेकिन संयम से काम लेने पर रिश्ते मजबूत होंगे।

वृषभ राशि - वृषभ राशि के जातकों के लिए यह समय मिलाजुला रहेगा। आर्थिक स्थिति स्थिर होगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण जरूरी होगा। पारिवारिक जीवन में मतभेद हो सकते हैं। माता-पिता की सेहत का ध्यान रखना होगा।

मिथुन राशि - मिथुन राशि के जातकों के लिए यह समय शुभ रहेगा। आय में वृद्धि के योग हैं और लंबे समय के लिए निवेश करने पर लाभ मिलेगा। शेयर बाजार से बचें। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

कर्क राशि - कर्क राशि के जातकों के लिए यह समय थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। स्वास्थ्य समस्याएं और आर्थिक संकट आ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे और व्यापार में सफलता मिलेगी।

सिंह राशि - सिंह राशि के जातकों के लिए यह समय शुभ रहेगा। करियर में प्रगति होगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी और मान-सम्मान की वृद्धि होगी।

कन्या राशि - कन्या राशि के जातकों के लिए यह समय मिलाजुला रहेगा। नौकरी में बदलाव या ट्रांसफर हो सकता है। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण जरूरी होगा। पारिवारिक जीवन में मतभेद हो सकते हैं।

तुला राशि - तुला राशि के जातकों के लिए यह समय शुभ रहेगा। व्यापार में सफलता मिलेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी और मान-सम्मान की वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह समय थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। स्वास्थ्य समस्याएं और आर्थिक संकट आ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे और व्यापार में सफलता मिलेगी।

धनु राशि - धनु राशि के जातकों के लिए यह समय शुभ रहेगा। आय में वृद्धि के योग हैं और लंबे समय के लिए निवेश करने पर लाभ मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

मकर राशि - मकर राशि के जातकों के लिए यह समय मिलाजुला रहेगा। नौकरी में बदलाव या ट्रांसफर हो सकता है। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण जरूरी होगा। पारिवारिक जीवन में मतभेद हो सकते हैं।

कुंभ राशि - कुंभ राशि के जातकों के लिए यह समय शुभ रहेगा। व्यापार में सफलता मिलेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी और मान-सम्मान की वृद्धि होगी।

मीन राशि - मीन राशि के जातकों के लिए यह समय थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। स्वास्थ्य समस्याएं और आर्थिक संकट आ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे और व्यापार में सफलता मिलेगी। शनि की साढ़ेसाती का दूसरा चरण शुरू है, जिसमें धैर्य और अनुशासन की आवश्यकता होगी।

श्रद्धाञ्जलि

।।ॐ शांति ॐ।।

स्व. श्री शंभू कुमार जी कासलीवाल
(जन्म: 11-11-1930/ स्व. 24-08-2025)

प्रतिष्ठान
S.Kumars The Fabric of India Since 1948

श्रद्धावनत
योगेन्द्र शर्मा (संपादक)
एवं समस्त टेक्सटाइल वर्ल्ड परिवार, (भीलवाड़ा)

मैनमेड फाइबर और... पेज 1 का शेषांश

इससे किसी सीमा तक गारमेण्ट की मांग में वृद्धि से उद्योग को राहत मिलेगी।

गारमेण्ट पर जीएसटी – जीएसटी परिषद् ने गारमेण्ट पर भी जीएसटी की दरों में फेरबदल किया है। अब 1,000 रूपए से 2,499 रूपए तक की गारमेण्ट पर जीएसटी की दर 5 प्रतिशत होगी, जो पहले 12 प्रतिशत थी जबकि 2,500 रूपए से अधिक की कीमत वाले गारमेण्ट पर 18 प्रतिशत लगेगी, जो अब तक 12 प्रतिशत थी। इन नई दरों से वैवाहिक पोशाकों के भाव में वृद्धि की संभावना है।

अगस्त में निर्यात घटने का अनुमान – जानकारों का कहना है कि हालांकि चालू वित्त वर्ष अप्रैल से जुलाई तक देश से टेक्सटाइल निर्यात में लगातार बढ़ोतरी हो रही थी, लेकिन अब इसमें गिरावट का दौर आरंभ होने की आशंका है। जानकारों का कहना है कि अगस्त में भी निर्यात में वृद्धि हो, लेकिन सितम्बर के बाद गिरावट की आशंका है। विश्व बाजार में व्याप्त अनिश्चितता के बावजूद जुलाई में भारत से टेक्सटाइल और गारमेण्ट निर्यात में बढ़त का दौर जारी है तथा 5.37 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3.10 बिलियन डॉलर का स्तर छू गया था। गत वर्ष इसी अवधि में निर्यात 2.94 बिलियन डॉलर का हुआ था।

गारमेण्ट पर जीएसटी 5 प्रतिशत.... पेज 1 का शेषांश

इस प्रकार अब टेक्सटाइल की पूरी चेन पर जीएसटी की एक ही दर 5 प्रतिशत होगी। कौंसिल ने जीएसटी की दर 1,000 रूपए की गारमेण्ट से बढ़ाकर 2,499 रूपए तक की गारमेण्ट के लिए कर दी है, जबकि इससे अधिक के परिधानों पर 18 प्रतिशत कर दी है।

सीएमएआई का कहना है कि जीएसटी कौंसिल द्वारा पूरी टेक्सटाइल चेन के लिए जीएसटी की दर केवल 5 प्रतिशत निर्धारित की है, लेकिन गारमेण्ट के लिए दो दरें निर्धारित की हैं। एसोसिएशन ने सरकार से अनुरोध किया है कि हर कीमत की गारमेण्ट के लिए जीएसटी की दर केवल 5 प्रतिशत ही रखे या गारमेण्ट की उच्चतम कीमत की सीमा को बढ़ाए। इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स की नेशलन टेक्सटाइल कमेटी के चेयरमैन श्री संजय जैन का कहना है कि वैवाहिक अवसरों पर पहने जाने वाले सभी कपड़ों की कीमत 2,500 रूपए से अधिक होती है और आम आदमी भी वैवाहिक अवसरों पर इन कपड़ों को खरीदता है। उन्होंने सरकार से गारमेण्ट पर जीएसटी की दरों पर दोबारा विचार करने का अनुरोध किया ।

जानकारों का कहना है कि देश में 2,500 रूपए से अधिक की ड्रेस या गारमेण्ट की खरीद एक बड़े वर्ग द्वारा की जाती है, जो मध्यम क्लास में आता है। जीएसटी की ऊँची दर के कारण उसके लिए लागत बढ़ा देगी। उल्लेखनीय है कि कोई भी गर्म कपड़ा, कढ़ाई के काम वाली गारमेण्ट या परम्परागत गारमेण्ट 2,500 रूपए से अधिक ही होती है।

जानकारों का मानना है कि टेक्सटाइल की दरों को तर्क संगत करने से उद्योग को लाभ हुआ है और फैब्रिक के मामले में उपभोक्ता को भी इसका लाभ मिलेगा, लेकिन उपभोक्ता को गारमेण्ट की खरीद पर अधिक कर चुकाना होगा। यदि सरकार गारमेण्ट पर केवल 5 प्रतिशत जीएसटी ही लगाए, तो इसका राजस्व पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि व्यापारी और उपाभोक्ता ईमानदारी से टेक्स देगा, वहीं दूसरी ओर जीएसटी ऊँची दर कर चोरी के लिए रास्ता छोड़े रखेगी।

अब होगी चांदी की हॉलमार्किंग

कोल्हापुर/ राहुल खाडे

सोने के गहनों के बारे में ग्राहक हमेशा जागरूक होता है। वैसी जागरूकता चांदी के गहनों को लेकर नहीं होती, जिससे फंसने का डर होता है। ग्राहक ज्यादा से ज्यादा चोख चांदी के गहनों की खरीदी करे और उसको फंसाया नही जाए, इसके लिए केंद्र सरकार ने एक सितंबर से चांदी के गहनों पर भी हॉलमार्किंग लागू किया है। इसके चलते ग्राहक अब आगे चांदी के गहने की भी आँख बंदकर खरीदी कर सकता है।

भारतीय लोग विशेषतौर पर महिलाओं के लिए सोने-चांदी के पसंदीदा गहने सालभर पैसे एकत्रित कर खरीदते हैं। सोने-चांदी के प्रति उनका प्रेम देखकर शासन ने गुणवत्तापूर्ण और दर्जेदार गहनों के लिए पहले सोने के गहनों के लिए हॉलमार्किंग व एचयूआईडी नंबर और अब चांदी की दर में तेजी से बढ़ोतरी के कारण इसमें मिलावट होने की संभावना है, जिससे सरकार ने चांदी के गहनों पर एचयूआईडी नंबर से होने वाला हॉलमार्किंग का नियम किया है। जिसका अमल एक सितंबर से लागू होगा, लेकिन इसकी अब तक सक्ती नहीं है। पिछले सात माह में चांदी की दर जनवरी में 1 लाख 7 हजार से अगस्त में 1 लाख 21 हजार के लगभग पहुँच गया है। सोने की तुलना में चांदी के गहनों पर हॉलमार्किंग को लेकर ग्राहक जागरूक नहीं होता, जिससे फंसने के संभावना ज्यादा होती है, लेकिन चांदी के गहनों पर हॉलमार्किंग के चलते ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण और दर्जेदार गहने मिलेंगे।

भरत ओसवाल, अध्यक्ष कोल्हापुर जिला सराफ संघ
राजेश राठोड, अध्यक्ष कोल्हापुर सराफ व्यापारी संघ

कार्यक्षेत्र में मल्टी स्किलिंग से सुधार

श्री सुनील भटनागर
प्रोफेसर एवं टेक्सटाइल कन्सलटेन्ट
सम्पर्क-74258 13125

आपने एक कहावत सुनी होगी – 'लीक ही लीक गाड़ी चले, लीक ही चले कपूत, यह तीनों बिन लीक चले, शायर सिंह, सपूत।

हमारी पीढ़ी ने भारतवर्ष में पिछले कुछ दशक में उन चुनौतीपूर्ण सीढ़ियों को पार कर भारत को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करते देखा है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना, थल सेना एवं जल सेना का इसरो के साथ जॉइंट ऑपरेशन ने दुश्मन के अलावा पूरी दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया। इसका मुख्य कारण एक-दूसरे से मिलकर कार्य करना देखा गया और लीक से हटकर भारतीय सेना में महिला सैनिकों ने अपने पुरुष साथियों के साथ मिलकर सीमाओं पर दुश्मन के दांत खट्टे कर दिए।

लेखक स्पेंसर जॉनसन की एक बेस्ट सेलिंग किताब है –Who moved my cheese जो हमें अपने पात्रों के द्वारा एक सीख बताई गई है कि परिवर्तन को पहले से भांपना, तैयारी करना और लगे रहना। आज ज्यादातर लोग परिवर्तन का विरोध करते पाए जाते है। परिवर्तन का आरंभ निम्नलिखित क्षेत्रों से हो सकता है- परिस्थितियों में बदलाव एवं स्वयं बदलना

कौन सा आसान है?

सरकार का कॉटन पर इम्पोर्ट ड्यूटी की छूट का निर्णय स्वागत योग्य है।

मगर क्या यहीं सॉल्यूशन है?

क्या आप अपने कार्यक्षेत्र में निम्नलिखित बातों को कहते या सुनते आए है?

- हर कार्य के लिए स्पेशलिस्ट होना चाहिए।
- यह मेरा कार्य नहीं है।
- मैं सिर्फ धागे लगा सकता हूँ, बोबिन निकालना/डालना मुझे नहीं आता।
- क्वालिटी का ध्यान रखना, क्यूसी वाले का काम है।
- मोटर के कनेक्शन के लिए मेंटेनेंस और बिजली विभाग से आदमी बुलाए।
- बरसात/फसल कटाई के मौसम में हम अपने माल की डिलिवरी समय पर नही दे पाएंगे।
- आज मिस्टर ए नहीं है, आप अगले हफ्ते आइए।
- आग बुझाने वाले यंत्र/First aid के लिए सिक्योरिटी वाले को इनफॉर्म करे।

अगर उपरोक्त इन बिंदुओं में एक में भी हाँ है, तो लेख को पढ़ें।

यहाँ मैं कुछ प्रेक्टिकल अनुभव आपके साथ शेयर कर रहा हूँ, जो आप सब ने भी देखा होगा।

CASE 1 सैलरी के टाइम उसको बनाने वाले व्यक्ति का आकस्मिक छुट्टी पर चले जाना। साथ वालों को कम्प्यूटर का पासवर्ड और डेस्क की चाबियों का पता न होना।

CASE 2 सोसाइटी की लाइट समय के बाद भी बंद न होना। यह पुराने आदमी का अचानक बीमार होने के कारण हो जाना।

CASE 3 स्पिनिंग मिल में बरसात वाले दिन वाइंडिंग विभाग में लेबर जरूरत से ज्यादा, जबकि ब्लोरूम में आदमी कम।

CASE 4 PEON के आकस्मिक छुट्टी पर फोटोस्टेट मशीन इत्यादि का कार्य ठप्प।

अगर आप भी अपने क्षेत्र में उपरोक्त परेशानियों से जूझ रहे हैं, तो यह लेख आपको इस प्रकार की परेशानियों से बचाने के लिए उपाय बताने का प्रयास करेगा। मैंने अपने शुरुआती सफर (1978) में एक स्पिनिंग मिल में एक ड्रॉ फ्रेम के कारीगर को स्पीड फ्रेम की मशीन चलाते देखा और ड्रॉ फर्स के साथ उनकी मदद करते पाया, क्योंकि उसको तनख्वाह उसकी ड्रॉ फ्रेम मशीन की प्रॉडक्शन पर मिलती थी तो वह खाली डब्बों के लिए स्पीड फ्रेम के कारीगर को पानी या इंटरवल में भी मशीन बंद नही होने देता था।

आज टेक्सटाइल उद्योग में भी अपने कर्मचारियों को उपरोक्त चुनौतियों के अलावा, आज की चुनौतियों को भी फेस करना है, जैसे AI, रोबोटिक्स, स्मार्ट टेक्सटाइल, नए फाइबर्स का प्रयोग व साथ ही आने वाले समय के लिए भी ट्रेनिंग सुनिश्चित करनी होगी। आज ज्ञान के साथ-साथ दिमाग और शरीर का फिट होना जरूरी है।

देखने में आया है कि नौकरी छोड़कर जाने वालों में एक वर्ग ऐसा भी है, जो रोज एक जैसे कार्य से बोरियत के कारण नौकरी जल्दी-जल्दी बदलने में यकीन करता है।

उपाय :

- स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का उपयोग करे।
- इसके लिए सेल्फ मोटिवेटेड लोगों को चुने।
- HOD अपने डिपार्टमेण्ट में कार्य को रोटेट करे, जिससे नई स्किल का उपयोग हो।
- आज के समय ऑटो डॉफिंग और donning के होते वर्कर मशीन चलाने वाले के पास समय भी है।
- अपनी मशीनों को मोडिफाई करे, जैसे छोटे कद इत्यादि का व्यक्ति भी रिंग में बोबिन बदल सके।
- मानक को ऐसा बनाए (यूजर फ्रेंडली) की अकुशल व्यक्ति भी कार्य सीख सके।
- आरंभ में उपरोक्त प्रोग्राम, नॉन क्रिटिकल डिपार्टमेंट में लगाए फिर उसको चरणबद्ध तरीके से संस्थान में लागू करे।

यहां HOD को ध्यान रखना होगा कि बिना स्किल पूर्ण सीखे नए कार्य पर नहीं लगाना होगा, वरना फायदे की बजाए नुकसान होगा। शुरुआत में cross training में efficiency, प्रॉडक्शन में कुछ गिरावट से घबराने की जरूरत नहीं है। यह long term में आपको फायदा जरूर देंगे। अगर ट्रेनिंग प्रोग्राम में 10 में से 2 कैंडिडेट बढ़िया प्रदर्शन करते है, तो वह बाकी के लोगों को प्रोत्साहित करने में मदद करेंगे। यहाँ अपने ट्रेनिंग हेड के अनुभव से एक बात मैं यहाँ बताना चाहता हूँ कि मशीनों और कार्य सीखने की अवधि अलग-अलग होती है। वाइंडिंग में अगर 3 महीने में कार्य सीखा जा सकता है, वहीं रिंग फ्रेम में 4 से 6 महीने में कार्य की जानकारी जैसे धागे लगाना, बोबिन निकालना/डालना इत्यादि। यहाँ जितना हम प्रोत्साहन और कर्मचारियों को सुविधा देंगे, उतना वह अपने कार्य को सीखने में इंटरेस्ट लेंगे। हर मिल में ऐसे लोग मिल जाते है जो अपने कार्य/मशीन के अलावा दूसरे विभाग की जानकारी या कार्य कर सकते है, ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करे। यहाँ अपने कार्यक्षेत्र में 20 प्रतिशत ऐसे व्यक्तियों की टीम सुनिश्चित करे, जिन्हें मल्टी स्किलिंग आती हो।

क्या आप सहमत हैं?

सस्ती रूई से कॉटन यार्न के भाव घटने की संभावना

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय

कपड़ों में कामकाज कम होने से वीविंग इकाइयों में यार्न की मांग नही बढ़ रही है। ऊपर से रूई आयात पर 11 प्रतिशत शुल्क दिसम्बर तक समाप्त कर देने की घोषणा के बाद रूई का बाजार डगमगा गया है। इस कारण कॉटन यार्न में मंदी गहरी हो गई है। आयात के कारण रूई का भाव घटने लगा है और आगे गिरावट की संभावना है। जानकारों का कहना है कि यार्न बनाती मिलों को सीसीआई के ऊँचे भाव की रूई खरीदने से कॉटन यार्न में नुकसान हो रहा है। यार्न मिलों को महंगी रूई के कारण अब प्रति किलो सात से आठ रूपए तक नुकसान होने की आशंका है। यार्न मिलें ऐसी स्थिति में कॉटन यार्न का भाव बढ़ाने का जोखिम नही उठा सकती है। कॉटन यार्न की मांग कम होने से यार्न मिलें संघर्ष कर रही है। भारतीय कपड़ों का निर्यात यार्न के साथ जुड़ा हुआ है। यह अति महत्त्वपूर्ण है कि स्पिनिंग मिलों को कुछ वर्षो से सस्ती रूई की सुविधा मिल रही है, लेकिन रूई का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ने के साथ भाव टाइट होते गए। आज के दौर में न्यूयार्क पर रूई वायदा में कारोबार 67 से 68 सेंट प्रति पाउंड में हो रहा है, जो भारतीय रूपए में 356 किलोग्राम की प्रति खंडी भाव 46000 रूपए के करीब है, परंतु स्थानीय बाजारों में भाव इससे अधिक होने के कारण कॉटन यार्न बनाने में मिलों की लागत अधिक आ रहीं है। लागत से कम में यार्न का सौदा हो नही सकता है। अब रूई सस्ती हो रही है, तो यार्न भी सस्ता हो रहा है। यार्न निर्यात संभावना कम और स्थानीय मांग नही बढ़ने के कारण यार्न मिलों की घटती मार्जिन को सस्ती रूई से राहत मिल सकती है। मिलों में यार्न का उत्पादन बना हुआ है। सिंथेटिक यार्न, पीवी और पीसी यार्न में कारोबार थोड़ा बहुत हो रहा है, परंतु कॉटन यार्न की मांग नही सुधरने से यार्न मिलों के सामने संकट है। टेक्सटाइल एवं क्लोदिंग निर्यात से यार्न में सुधार होने की उम्मीदें हैवी टैरिफ के बाद धूमिल हो गई है। वीविंग इकाइयों में उत्पादन क्षमता से कम है। ग्रे कपड़ों में लेवाल कम होने से वीवर्स उलझन में है। अतः कमजोर मांग के चलते कुछ समय से कॉटन यार्न में इसी तरह की स्थिति उभरी है।

Postal Registration No BHILWARA/208/2024-2026 RNI Registration No. 71772/98

गारमेण्ट के रिटेल कारोबार में गतिशीलता

हैवी टैरिफ से रेडीमेड गारमेण्ट उद्योग की आय ग्रोथ घटने का अनुमान

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय

गारमेण्ट में रिटेल ग्राहकी बहुत दमदार नही है, लेकिन कारोबार में गतिशीलता बनी हुई है। स्थानीय स्तर पर गारमेण्ट में मंदी की संभावना नही है और रिटेल कारोबार धीरे-धीरे बढ़ रहा है। खुदरा कारोबार 50 से 60 प्रतिशत की रेंज में है। गारमेण्ट निर्यात रूकने और जीएसटी की स्लैब दरों में बदलाव से रिटेलर्स अधिक स्टॉक रखने से बच रहे हैं। मांग के अनुसार नये स्टॉक में लेवाली है तथा गारमेण्टर्स की तैयारी साउथ के ओणम और दीपावली जैसे त्योहारों को ध्यान में रखकर की जा रही है। दीपावली के बाद वैवाहिक सीजन की शुरूआत होने से गारमेण्ट में सीजनल ग्राहकी बढ़ने से संभवतः गारमेण्ट इकाइयों में उत्पादन भी बढ़ सकता है।

केयर रेटिंग एजेंसी की रिपोर्ट का कहना है कि देश से गारमेण्ट का निर्यात कारोबार घटेगा और टैरिफ के कारण भारत के रेडीमेड गारमेण्ट उद्योग की आय ग्रोथ इस वित्त वर्ष में लगभग आधी हो सकती है, लेकिन जीएसटी की मौजूदा 12 प्रतिशत की स्लैब दर हटाकर पाँच प्रतिशत करने से गारमेण्ट क्षेत्र को इसका लाभ होगा। कपड़ा एवं गारमेण्ट पाँच प्रतिशत जीएसटी लगती है, लेकिन जिस गारमेण्ट की कीमत एक हजार रूपए से अधिक है, उस पर यह 12 प्रतिशत थी। यह पाँच प्रतिशत होने से इस सेगमेंट का गारमेण्ट सस्ता होगा। इसलिए अनुमान है कि देश में अब महंगे गारमेण्ट का उत्पादन और खपत दोनों में वृद्धि हो सकती है।

अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ और मोस्ट फेवर्ड नेशंस टैरिफ को जोड़ने पर भारत से किए जाते निर्यात के लिए चुनौती बढ़ गई है। टेक्सटाइल के मामले में यह 59 प्रतिशत और अपेरल पर 60.3 प्रतिशत की इम्पोर्ट ड्यूटी हो जाती है। इससे भारत के निर्यात पर बहुत बुरा असर पड़ सकता है। चीन, वियतनाम, कम्बोडिया और दक्षिण एशियाई देशों की चीजों के मुकाबले भारतीय माल अमेरिका में 30 से 35 प्रतिशत महंगा हो जाएगा। तिरूपुर, नोएडा और कु छ अन्य सेक्टरों के टेक्सटाइल एवं अपेरल मैन्युफेक्चरर्स ने उत्पादन में कटौती करना शुरू कर दिया है। भारत के टेक्सटाइल उद्योग की आय ग्रोथ घटने का अनुमान है।

भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद देश से टेक्सटाइल एवं क्लोदिंग के अमेरिकी निर्यात पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। भारत के निर्यातक अमेरिकी आयातकों के साथ इस मुद्दे पर बातचीत कर रहे हैं और संभावना है कि जो अतिरिक्त बोझ आ रहा है, उसकी भरपाई दोनों पक्षों की ओर से कुछ समय के लिए किया जा सकता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो अमेरिकन आयातकों को भारत को छोड़कर बांग्लादेश, वियतनाम और चीन की ओर मुडना पड़ सकता है। टेक्सटाइल एवं क्लोदिंग के लिहाज से अमेरिका एक बड़ा बाजार है।

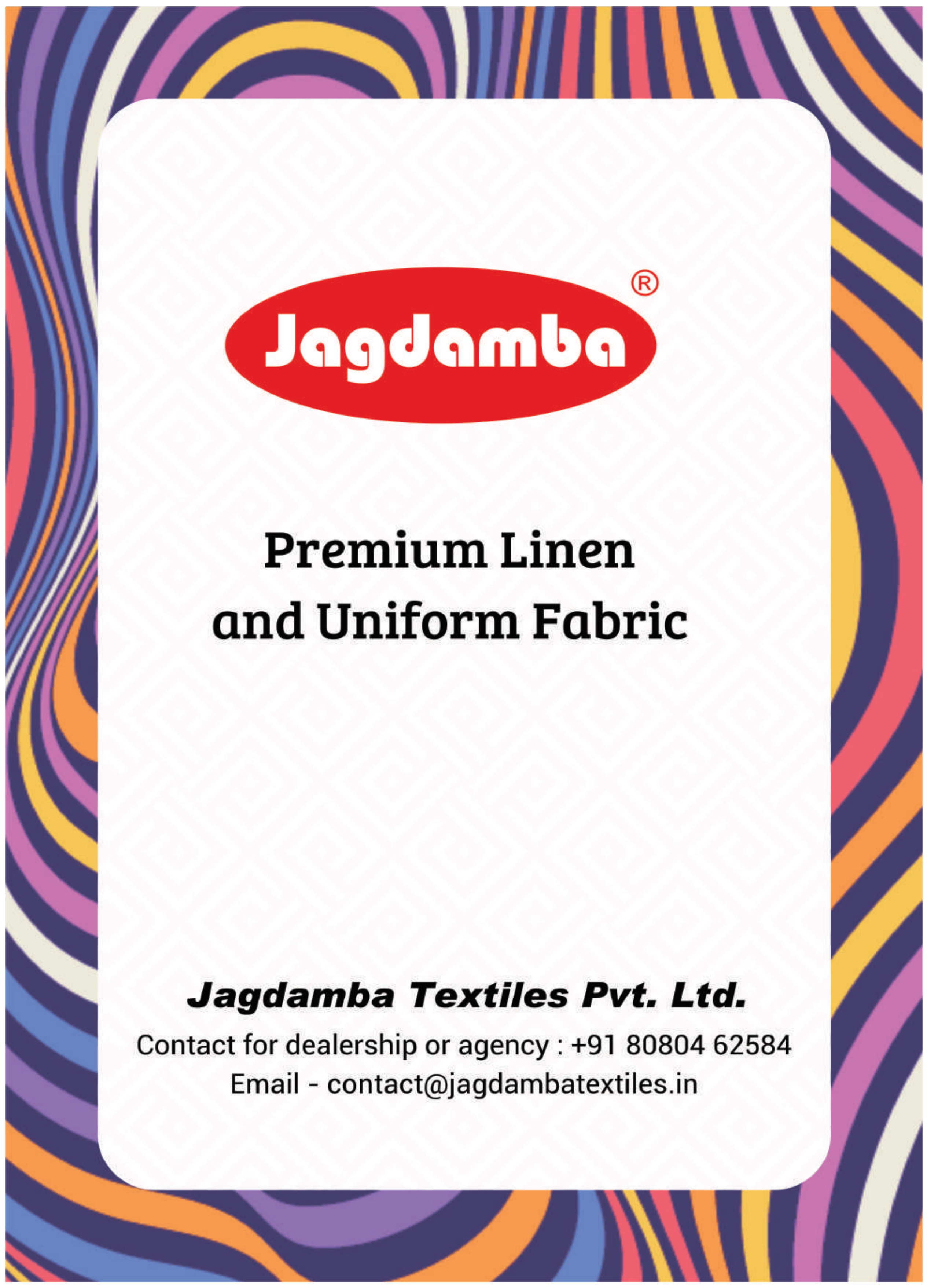

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए डी.बी. कॉर्प लि., 10, जेएलएन मार्ग, जयपुर, (भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक-योगेन्द्र शर्मा।

सूरत टेक्सटाइल इंडस्ट्री में पहली बार...

प्रभुजी साड़ी का ऐतिहासिक ऑफर

सूरत/ महिला फैशन के पारंपरिक एवं आधुनिक परिधानों के निर्माण में अपनी अलग पहचान बनाने वाली कंपनी **''प्रभुजी हरे कृष्णा आर्ट''** वर्ष 2008 से बड़े पैमाने पर फैंसी डिजाइनर लहंगे तैयार कर रही है। ब्राइडल, पार्टी वियर और गर्लिश लहंगों में वाइडेस्ट कलेक्शन के लिए यह कंपनी न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जानी जाती है। युवा डायरेक्टर श्री नरेश साचापरा के नेतृत्व में कंपनी ने डिज़ाइनर लहंगे और ब्लाउज के साथ-साथ फैंसी डिज़ाइनर साड़ियों के उत्पादन में भी खास पहचान बनाई है। हाई क्वालिटी डिजिटल प्रिंट फैब्रिक्स, वैल्यू एडिशन और इनहाउस डिजाइन डेवलपमेंट से कंपनी लगातार नए-नए कलेक्शन प्रस्तुत कर रही है।

प्रभुजी का कहना है कि 'हम हर सीजन की तैयारी उत्सव की तरह करते हैं। फैब्रिक चयन से लेकर वैल्यू एडिशन तक पूरा फोकस क्वालिटी और इनोवेशन पर रहता है।' कंपनी द्वारा वैवाहिक और पार्टी वियर कलेक्शन में आकर्षक डिजाइनर लहंगे-चोली एवं साड़ियाँ बनाई जाती हैं। इनमें आधुनिक डिज़ाइन, स्टोन वर्क, कढ़ाई और पोजिशन प्रिंट का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलता है। नियमित इनोवेशन, क्रिएटिव डिज़ाइन और क्वालिटी वर्क के चलते **प्रभुजी हरे कृष्णा आर्ट** ने बहुत कम समय में महिलाओं के पारंपरिक परिधानों की दुनिया में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। यही कारण है कि आज यह कंपनी फैंसी डिजाइनर लहंगों और साड़ियों दोनों में देश-विदेश की पहली पसंद बन चुकी है।

फुकेट ट्रिप : सूरत के एजेंट्स के लिए खास स्कीम की घोषणा

टेक्सटाइल इंडस्ट्री के इतिहास में पहली बार **प्रभुजी हरे कृष्णा आर्ट** ने अपने एजेंट्स के लिए एक विशेष ऑफर की घोषणा की है। इस ऑफर के अंतर्गत केवल 51 एजेंट्स को अवसर मिलेगा और यह पूरी तरह फर्स्ट कम फर्स्ट सर्व बेसिस पर रहेगा। कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, जो भी एजेंट 15 पार्सल साड़ी की खरीदारी करेगा, उसे बिल्कुल मुफ्त में **बोनारू फुकेट ट्रिप** का पैकेज प्रदान किया जाएगा। यह ऑफर केवल 27 सितम्बर तक मान्य है। कंपनी का कहना है कि इस योजना का उद्देश्य एजेंट्स को प्रोत्साहित करना और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्किंग का अवसर देना है। सीमित ऑफर होने की वजह से एजेंट्स को समय पर निर्णय लेने की सलाह दी गई है।

विनायक ट्रेडिंग कम्पनी एवं रेवांता ट्रेड वेंचर्स की 24वीं रिटेल कॉन्फ्रेंस जयपुर में सम्पन्न

200 से अधिक रिटेलर्स ने की शिरकत 1.25 लाख मीटर फैब्रिक्स की हुई बुकिंग

जयपुर

ब्राण्डेड मेन्स वियर फैब्रिक्स के प्रमुख होलसेलर डालमिया ग्रुप की फर्म्स विनायक ट्रेडिंग कम्पनी और रेवांता ट्रेड वेंचर्स द्वारा 24 अगस्त 2025 को जयपुर में 24वीं रिटेल कॉन्फ्रेंस का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में देशभर से आए 200 से अधिक रिटेलर्स ने शिरकत की और आगामी फेस्टिव सीजन के लिए 1.25 लाख मीटर कपड़े की बुकिंग करवाई।

फर्म्स के डायरेक्टर श्री आदित्य डालमिया ने बताया कि रिटेलर्स का उत्साह बेहद सराहनीय रहा। उन्होंने कहा, ''रिटेलर्स ने एक बार फिर हम पर भरोसा जताते हुए बड़ी मात्रा में बुकिंग की। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है और यह विश्वास हमें निरंतर बेहतर उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रेरित करता है।''

कॉन्फ्रेंस में Cadini, Tessitura Monti, Burgoyne, Raymond, Simone, Baird Cotton जैसे विश्वस्तरीय ब्राण्ड्स की ओर से प्रीमियम सूटिंग-शर्टिंग एवं एथनिक फैब्रिक्स के नए कलेक्शंस का शानदार प्रदर्शन किया गया। इन ब्राण्ड्स ने आगामी त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए फैशन-ओरियंटेड मेन्स वियर फैब्रिक्स के नए और आकर्षक डिजाइनों को प्रस्तुत किया, जिन्हें रिटेलर्स ने काफी सराहा। श्री डालमिया ने बताया कि विनायक ट्रेडिंग कम्पनी और रेवांता ट्रेड वेंचर्स, इन सभी ब्राण्ड्स की अधिकृत होलसेल डीलर हैं। समूह समय-समय पर ऐसे मेगा इवेंट्स का आयोजन करता है, जिससे रिटेलर्स को नई डिजाइनों की जानकारी और बेहतर व्यापारिक अवसर प्राप्त होते हैं।

रमेश टेक्सटाइल के तत्वावधान में GRADO SUITING की शानदार बुकिंग

जयपुर/ जी हां, वैसे तो यह वक्त विभिन्न कंपनियों की रिटेल बुकिंग का रहता है परंतु इस बार GRADO सूटिंग ने विशेष उपलब्धि हासिल की है। जहां एक तरफ राजस्थान के व्यापारियों को थाईलैंड का भ्रमण करवाया गया वहीं दूसरी तरफ व्यापारियों को जयपुर में डिस्प्ले एवं बुकिंग का अवसर दिया। हमेशा की तरह इस दफा भी यह आयोजन राजस्थान के अग्रणी थोक विक्रेता रमेश टेक्सटाइल्स जयपुर द्वारा किया गया। GRADO GBTL Limited, हिंदुस्तान के सूटिंग ब्रांड में एक विशेष स्थान रखता है। इस अवसर पर कंपनी के India Sales Head Manish Shukla, Publicity head Ekta Chauhan, Area incharge Ravindra Sales Person Manish ji उपस्थित रहे। दीप प्रज्वल एवं अतिथियों के स्वागत से समारोह की शुरुआत हुई। कंपनी ने 4way STREEZA क्वालिटी को WOOL के साथ इंट्रोड्यूस किया। रेगुलर क्वालिटी के साथ ही साथ इस क्वालिटी की भी बुकिंग अच्छी रही। सुबह से रात्रि तक बुकिंग का सिलसिला चलता रहा। गीतों भरी शाम के आयोजन से समारोह की समाप्ति हुई। रमेश टेक्सटाइल्स ने इस अवसर पर

लक्की डॉ का भी आयोजन किया एवं विभिन्न प्रकार के गिफ्ट सभी उपस्थित व्यापारियों को दी गई। लंबी अवधि की स्कीम में भाग लेने एवं वापस आने के वायदे के साथ व्यापारियों ने सुंदर आयोजन की प्रशंसा की।

जयपुर में अग्रवाल सिंटेक्स की रिटेल कॉन्फ्रेंस सफल

डोनियर की मलेशिया स्कीम और नई रेंज का आकर्षक डिस्प्ले रहा खास आकर्षण

जयपुर/ देश के प्रतिष्ठित मेन्स फैशन ब्राण्ड डोनियर और सियाराम के अधिकृत होलसेल डीलर अग्रवाल सिंटेक्स, जयपुर द्वारा 24 अगस्त 2025 को राजधानी के होटल सरोवर पोर्टिको में भव्य रिटेल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में राजस्थानभर से बड़ी संख्या में रिटेलर्स ने भाग लिया और आगामी फेस्टिव सीजन के लिए उत्साहपूर्वक बुकिंग कराई।

'अग्रवाल सिंटेक्स' लंबे समय से अपने रिटेलर्स को स्कीम्स और टूर प्रोग्राम्स के माध्यम से प्रोत्साहित करती रही है। डोनियर ब्राण्ड द्वारा पूर्व में बाली, पटाया और दार्जिलिंग टूर सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। अब आगे भी डोनियर ब्राण्ड की मलेशिया ट्रिप स्कीम जारी है, जिसके तहत इस कॉन्फ्रेंस में रिटेलर्स ने बड़ी संख्या में बुकिंग कराई।

कॉन्फ्रेंस में डोनियर ब्राण्ड के सूटिंग-शर्टिंग एवं कॉटन सेगमेंट की नई रेंज का भव्य डिस्प्ले किया गया। वहीं सियाराम ब्राण्ड के Ac-claim और Evita शर्टिंग की नई रेंज भी प्रस्तुत की गई। व्यापारियों ने दोनों ब्राण्ड्स के डिस्प्ले को बेहद सराहा और जमकर बुकिंग की। इस अवसर पर डोनियर ब्राण्ड की ओर से एरिया सेल्स मैनेजर श्री बुद्धि प्रकाश जैन व एजेंट श्री अनीश माथुर, जबकि सियाराम ब्राण्ड की ओर से राजस्थान एजेंट श्री तपन जैन विशेष रूप से उपस्थित रहें।

'अग्रवाल सिंटेक्स' के ऑनर्स श्री महेंद्र कुमार जैन और श्री हिमांशु जैन ने सभी रिटेलर्स का गर्मजोशी से स्वागत किया और बेहतर मेजबानी की। कॉन्फ्रेंस के दौरान ओवर ऑल शानदार बुकिंग हुई और हर साल की तरह इस वर्ष भी अग्रवाल सिंटेक्स ने बेहतरीन व्यापारिक सफलता हासिल की।

आर. डी. टेक्सटाइल ◆ सालासर मार्केटिंग की रिटेल कॉन्फ्रेंस जयपुर में सम्पन्न

सियाराम, डोनियर और FM ब्राण्ड्स की नई रेंज को मिला उत्साहजनक प्रतिसाद

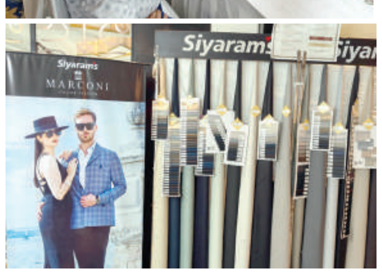

जयपुर/ ब्राण्डेड सूटिंग-शर्टिंग के प्रमुख होलसेल डीलर 'आर. डी. टेक्सटाइल' एवं 'सालासर मार्केटिंग' द्वारा आगामी फेस्टिव सीजन की बुकिंग को ध्यान में रखते हुए जयपुर में भव्य रिटेल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान के प्रमुख रिटेल व्यापारियों ने भाग लिया। सम्मेलन में प्रदर्शित सियाराम, डोनियर और FM - Ferino Mizoni की नवीनतम रेंज को व्यापारियों ने सराहा और बड़े स्तर पर बुकिंग कर उत्साहजनक प्रतिसाद दिया। कॉन्फ्रेंस की मेजबानी 'आर. डी. टेक्सटाइल' एवं 'सालासर मार्केटिंग' के ऑनर श्री सीताराम गोयल ने की। इस अवसर पर मिलों के सेल्स प्रतिनिधियों के साथ-साथ सियाराम ब्राण्ड के राजस्थान एजेंट श्री तपन जैन और डोनियर ब्राण्ड के राजस्थान एजेंट श्री अनीश माथुर विशेष रूप से उपस्थित रहें। व्यापारियों ने साझा किया कि आगामी त्योहारी सीजन के लिए प्रस्तुत यह कलेक्शन ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो न सिर्फ फैशन को नई ऊँचाई देगा बल्कि बिक्री को भी प्रोत्साहित करेगा।

आयात अवधि बढ़ने से रूई पर सबसे अधिक दबाव

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय

रूई का बाजार डगमगा गया है। आयात बढ़ने के कारण रूई पर दबाव पहले से ही था। अब आयात शुल्क दिसम्बर तक समाप्त कर देने से देश में रूई का आयात अधिक होगा और इस कारण देसी रूई के भाव पर अधिक दबाव होगा। निर्यात करने के लिए सीसीआई को भाव घटाने होंगे। देश में करीब 55 लाख गांठ अनसोल्ड स्टॉक है। सीसीआई के पास लगभग 25 से 26 लाख गांठ स्टॉक होने का अनुमान है। आस्ट्रेलियन रूई का आयात सौदा शुरू हो चुका है। आगामी सीजन के लिए कपास बुवाई क्षेत्रफल घटा है, लेकिन उत्पादन अच्छा होने का अनुमान है। नई पैदावार उत्तर भारत और दक्षिण में आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में अच्छी बताई जा रही है।

वर्ष 2025-26 के पहले तीन महीने में रूई का आयात दोगुना होने की संभावना है। भारतीय रूई का भाव इंटरनेशनल मार्केट की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। बाजार सूत्रों का कहना है कि दिसम्बर अंत तक रूई पर से आयात शुल्क हटा लेने से देश में रूई

का आयात बढ़ेगा, जिससे टेक्सटाइल उद्योग को फायदा हो सकता है। अब मिलें ब्राजील, यूएस, आस्ट्रेलिया जैसे देशों से सस्ते में रूई का आयात कर सकती है। ब्राजील में रूई का उत्पादन खपत करीब 30 लाख गांठ है, इसलिए ब्राजील की रूई सस्ती है। ब्राजील से भारत में रूई मई अंत तक 6.5 लाख गांठ रूई का आयात किया गया था, जिसकी कीमत करीबन 1620 करोड़ रूपए से अधिक है।

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया का कहना है कि अभी टेक्सटाइल उद्योग के लिए संकट का समय है। पहले भारत की रूई अमेरिकी रूई की तुलना में दो से तीन सेंट तक सस्ती होती थी, परंतु हाल के दिनों में 10 से 15 सेंट तक महंगी है। नई सीजन में कदाचित दिसम्बर तक 20 लाख गांठ का आयात हो जाए। दो से तीन मिलों ने दो लाख गांठ रूई आयात करने का सौदा आस्ट्रेलियन रूई में किया है। यह सौदा 48 से 49 हजार रूपए के भाव पर किया गया है, जबकि देश में रूई का भाव 55 हजार रूपए के आसपास चल रहा है। भारत की कपड़ा मिलों विशेषकर साउथ की मिलों को इससे राहत होगी। रूई का आयात अधिक होने पर किसानों को नुकसान उठाने की नौबत आ सकती है और रूई का निर्यात करना कठिन हो जाएगा। निर्यात करने के लिए सीसीआई को भाव घटाने होंगे, क्योंकि न्यूनतम भाव के हिसाब से गणना करें तो उस भाव पर कपास की खरीदी कर यदि गांठ में बदलकर बाजार में बेचा जाए तो मौजूदा भाव से बहुत अधिक होता है। सवाल उठता है कि अक्टूबर से नई सीजन शुरू होने जा रही है और देश में रूई के भाव घट रहे हैं। ऐसे में सीसीआई को फिर बाजार में जल्दी हस्तक्षेप करना होगा और किसानों की कपास को समर्थन भाव पर खरीदना होगा, क्योंकि जीनर्स तो इस भाव पर खरीदने में सक्षम ही नही होंगे।

एस वी टेक्सटाइल्स द्वारा अरविंद बुकिंग कॉन्फ्रेंस का अमृतसर में सफल आयोजन

अमृतसर/ एस वी टेक्सटाइल्स ने होटल एम. के., अमृतसर में अरविंद बुकिंग कॉन्फ्रेंस 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जो कम्पनी के विकास और सहयोग की यात्रा में एक और महत्त्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुई।

इस आयोजन में अमृतसर, बटाला, जालंधर, गुरदासपुर और अजनाला के प्रमुख रिटेलर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपस्थित लोगों ने अरविंद के नवीनतम डिजाइनों की सराहना की, जिन्हें खूब पसंद किया गया। कॉन्फ्रेंस के दौरान बुकिंग और ऑर्डर्स की बड़ी संख्या प्राप्त हुई।

कार्यक्रम का खास आकर्षण रहा रिटेलर्स के लिए एक विशेष इंसेंटिव स्कीम, जिसके तहत उन्हें कश्मीर की पूर्ण रूप से प्रबंधित यात्रा का तोहफा दिया गया। 23 अगस्त से 26 अगस्त 2025 तक 35 प्रतिभागियों के एक समूह ने पहलगाम और श्रीनगर के खूबसूरत स्थलों की सैर का आनंद लिया। कश्मीर यात्रा में अरविंद की बेहतरीन मेहमाननवाजी का विशेष अनुभव रहा। हर व्यवस्था और आतिथ्य को बेहद सराहा गया, जिससे यह यात्रा सभी प्रतिभागियों के लिए यादगार और सुखद अनुभव साबित हुई।

चिनार फैब्रिक्स की उत्सव-2025 रिटेल कॉन्फ्रेंसेज भव्य सफलता के साथ संपन्न

डीलर्स व रिटेलर्स ने की जमकर सराहना

भिवानी/ उत्तर भारत की जानी-मानी कपड़ा मिल 'चिनार फैब्रिक्स' ने अपनी सफलता की ऊँची छलांग लगाते हुए और भारतीय कपड़ा बाजार में विशेष पहचान बनाते हुए, हाल ही में चिनार रिटेल सेल्स कॉन्फ्रेंस 'उत्सव-2025' का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ 'चिनार फैब्रिक्स' के प्रबंध निदेशक श्री पुरुषोत्तमदास अग्रवाल और डायरेक्टर श्री उज्ज्वल अग्रवाल द्वारा व्यापारियों की उपस्थिति में किया गया। उत्तर भारत में अम्बाला, बरेली, नेपाल, गोवा, कसौली एवं मसूरी सहित विभिन्न शहरों में चिनार ने रिटेल सेल्स कॉन्फ्रेंस का सफलतापूर्वक आयोजन किया है, जिसमें रिटेलर्स, एजेंट्स और व्यावसायिक सहयोगियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

गुणवत्ता और नवाचार पर जोर - 'चिनार फैब्रिक्स' ने अपने प्रदर्शन में लगातार आने वाले डिजाइनों और पैटर्न की बुकिंग प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता दर्ज की। कम्पनी का लक्ष्य उपभोक्त ाओं को गुणवत्तापूर्ण फैब्रिक्स उपलब्ध कराना है। इसके लिए विशेष धागे का उपयोग करते हुए इकोफ्रेण्डली जैसे उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं।

विपरीत परिस्थितियों से मिली सीख- प्रबंध निदेशक श्री पुरुषोत्तमदास अग्रवाल ने कहा कि 'चिनार फैब्रिक्स' ने विपरीत परिस्थितियों को चुनौती मानकर हौसलों की उड़ान भरी है। कम्पनी के परिवार की कड़ी मेहनत और विश्वास के चलते आज भारतीय कपड़ा बाजार में 'चिनार फैब्रिक्स' एक मजबूत पहचान स्थापित कर चुका है। उन्होंने बताया कि आज उपभोक्त ा नगर से लेकर बड़े शहरों तक 'चिनार फैब्रिक्स' के उत्पादों की मांग करते हैं।

निर्यात में सफलता- श्री अग्रवाल ने कहा कि, 'चिनार फैब्रिक्स' के सूटिंग-शर्टिंग फैब्रिक्स की मांग लगातार बढ़ रही है। कंपनी आज भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर 7 से अधिक देशों में अपने फैशन फैब्रिक्स का निर्यात कर रही है।

भविष्य की योजनाएँ- डायरेक्टर श्री उज्ज्वल अग्रवाल ने बताया कि विंटर सीजन के लिए आकर्षक डिजाइन और नई-नई स्कीमें व्यापारियों के लिए जल्द ही बाजार में उपलब्ध कराई जाएंगी। कम्पनी लगातार नई योजनाओं के साथ उपभोक्त ाओं को लाभ पहुँचाने का कार्य करती रहेगी।

व्यापारिक सहयोग का आभार - कॉन्फ्रेंस के समापन पर 'चिनार फैब्रिक्स' के डायरेक्टर श्री उज्ज्वल अग्रवाल ने इस आयोजन की सफलता को लेकर गौरवान्वित महसूस किया। उन्होंने कॉन्फ्रेंस में पधारे व्यापारियों, एजेंट्स, खुदरा विक्रेताओं और चिनार परिवार की मेहनत के लिए हृदय से आभार जताया और भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। चिनार रिटेल सेल्स कॉन्फ्रेंस 'उत्सव-2025' ने एक बार फिर यह साबित किया कि, 'चिनार फैब्रिक्स' न केवल भारतीय कपड़ा बाजार में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी गुणवत्ता, समय पर आपूर्ति और नवाचार से इतिहास रच रहा है।

New catalogue launch CENDRO III (suits collection)

New packing collection launch for gifting in Wedding and festival season

बरेली में हुई सियाराम मिस्टेयर की धमाकेदार सेल्स कॉन्फ्रेंस

बरेली/ राजीव अरोड़ा

23 अगस्त 2025 को होटल उबेरॉय आनन्द, बरेली में सियाराम मिस्टेयर की (फेस्टिव कलेक्शन) सेल्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन स्थानीय डिस्ट्रीब्यूटर मैसर्स राधे कृष्णा फैब्रिक्स द्वारा किया गया, जिसमें बरेली व आसपास के लगभग 130 व्यापारियों की भागीदारी रही। कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन बाबूजी श्री रमेश खनिजो के कर कमलों द्वारा गणपति पूजन से किया गया। फर्म के ऑनर श्री अजय खनिजो व उनके सुपुत्र श्री माधव खनिजो व केशव खनिजो ने सभी व्यापारियों का स्वागत किया।

सियाराम मिल से आए मिस्टेयर जोनल हेड श्री नीरज शर्मा व रावत जी का विशेष सहयोग रहा। कॉन्फ्रेंस में सियाराम मिस्टेयर की सभी वैरायटी सूटिंग-शर्टिंग्स मिनिएचर कॉम्बो व विंटर एंड वेडिंग कलेक्शन का डिस्प्ले किया गया, जिसे की व्यापारियों ने आगामी सीजन को देखते हुए सराहा और अधिक से अधिक बुकिंग दी। इसके अतिरिक्त Gee Cee शर्टिंग छोटा व बड़ा पन्ना, AFW एथनिक सूटिंग-शर्टिंग, सीताराम सूटिंग, जेनेरिस की टीआर रेंज एवं हेनरी कलेक्शन में पार्टी वियर रेंज की व्यापारियों ने जोरदार सराहना की और अच्छी बुकिंग भी कराई।

सभी व्यापारीबन्धुओं को उपहार भी प्रदान किए गए व लक्की ड्रा भी निकाले गए। बरेली होलसेल कपड़ा कमेटी से भी कई व्यापारियों की उपस्थिति रहीं। साथ ही डिनर पार्टी का आयोजन भी किया गया तथा व्यापारियों ने सभी प्रकार की व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। श्री अजय खनिजो ने सभी अतिथियों एवं व्यापारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि भविष्य में भी फेस्टिव सीजन के मद्देनजर इसी प्रकार का आयोजन करते रहेंगे।

विजय एंटरप्राइजेज की भव्य सेल्स कॉन्फ्रेंस

सियाराम मुम्बई की प्रीमियम प्रदर्शनी में 200 रिटेलर्स की बुकिंग

मुजफ्फरपुर/ शहर की प्रमुख व्यापारिक फर्म 'विजय एंटरप्राइजेज' ने 20 अगस्त 2025 को होटल सिमना इंटरनेशनल में एक भव्य सेल्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इसमें मुजफ्फरपुर सहित आसपास के जिलों के नामी रिटेलर्स ने भाग लिया।

कॉन्फ्रेंस में देश के अग्रणी ब्राण्ड सियाराम मुम्बई ने अपनी प्रीमियम सूटिंग-शर्टिंग कलेक्शन प्रस्तुत की। फैशन और गुणवत्ता के बेहतरीन संगम को देखकर रिटेलर्स ने उत्पादों की सराहना की और बड़ी संख्या में ऑर्डर बुक किए। कार्यक्रम में कम्पनी प्रतिनिधियों ने विस्तार से जानकारी दी, वहीं एरिया एजेंट श्री गरीबनाथ बंका की उपस्थिति ने आयोजन को और खास बना दिया।

इस दौरान करीब 200 रिटेलर्स ने बुकिंग की, जिसे व्यावसायिक दृष्टि से बड़ी सफलता माना जा रहा है। 'विजय एंटरप्राइजेज' के डायरेक्टर श्री रोहन मेहता ने कहा कि कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य केवल उत्पाद प्रदर्शन नहीं, बल्कि रिटेलर्स के साथ भरोसेमंद संबंध स्थापित करना भी है। कॉन्फ्रेंस को सफल बनाने में होटल सिमना इंटरनेशनल की उत्कृष्ट सुविधाएँ और टीम का सहयोग सराहनीय रहा।

7 से 21 सितम्बर 2025
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड
MUMBAI SHIRTING SPECIAL EDITION

35 YEARS CELEBRATION

Plain SHIRTING KA King

SINCE 1990
MukutMani®
House of Fabric
An ISO Certified Company 9001 : 2015

हमारे पास इस बात का तर्क नहीं है कि बाजार में कपड़ा कम कीमत पर क्यों मिल रहा है। यह तो वो ही जानते हैं कि उनके उत्पादन, क्वालिटी एवं सेवा में क्या कमी है।

Mukutmani Group
Mumbai-02
website: www.mukutmani.net

35 YEARS CELEBRATION

Etnico Collection®
Rethink Ethnic..!!

SINCE 1990
Mukut Mani®
HOUSE OF FABRIC
AN ISO CERTIFIED COMPANY 9001:2015
Mumbai - 02

Email: etnicocollection2019@gmail.com

7 से 21 सितम्बर 2025
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड
MUMBAI SHIRTING SPECIAL EDITION
Prepared by:
Lalit Sharma
8003596091

रियलिटी ब्राण्ड द्वारा कॉटन व डिजिटल प्रिंट में नया कलेक्शन तैयार

विस्तृत कलर चार्ट में अच्छी डिमाण्ड

मुम्बई/ कुर्ता एवं कॉटन फैब्रिक में निरंतर सफलता के नित नए आयाम तय करते हुए रियलिटी ब्राण्ड द्वारा आगामी सीजन की विशेष तैयारियां की है। कम्पनी द्वारा हाल ही में आगामी सीजन पर फोकस करते हुए कॉटन व्हाइट, डिजिटल प्रिंट में अनेक डिजाइन बनाई है, जो बाजार में डिमाण्ड के साथ बिक रही है। श्री विराट जैन एवं श्री चिंतन जैन ने बताया कि इस दौरान 58''शर्टिंग के साथ-साथ कुर्ता की विशेष आइटम तैयार की गई, जो व्यापारियों को काफी पसंद आ रही है। कम्पनी द्वारा हर डिजाइन में कलर रेंज के चार्ट तैयार किए जा रहे हैं।

श्री जैन ने बताया कि कम्पनी ने अपनी रेग्युलर क्वालिटियों के साथ-साथ आगामी सीजन की विशेष तैयारियां की है।

कॉटन, जैकार्ड की रेंज, व्हाइट, डिजिटल प्रिंट की रेंज में अनेक क्वालिटियां बनाई जा रही है। इन क्वालिटियों में अनेक कलर चार्ट तैयार हैं, जो व्यापारियों को खूब पसन्द आ रहे हैं। कम्पनी द्वारा आगामी वैवाहिक सीजन को ध्यान में रखते हुए एथनिक की रेंज पर बहुत फोकस किया गया है। जिसमें कुर्ता क्लॉथ, जैकॉर्ड, एम्ब्रॉयडरी, शेरवानी पर विशेष तैयारियां करते हुए नये-नये कलर चार्ट बाजार में पेश कर रहे हैं, जिसे भरपूर रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसके अलावा वैवाहिक सीजन के हिसाब से वाइब्रेट कलर रेंज (डार्क कलर) की विस्तृत रेंज की बाजार में अच्छी डिमाण्ड बनी हुई है। फैंसी चार्ट, फ्लोरेंस कलर की विस्तृत रेंज की भी अच्छी डिस्पेच बनी है। श्री जैन ने बताया कि व्हाइट कलर में 200 से ज्यादा, कॉटन में 40-50 कलर चार्ट, जैकार्ड में 60-70 डिजाइंस में कलर चार्ट, डिजिटल प्रिंट में 200-300 कलर चार्ट में विभिन्न काउंट और ब्लैंड में रेंज उपलब्ध है।

क्वालिटी एवं गुणवत्ता के दम पर पहचान

अपनी क्वालिटियों एवं गुणवत्ता के दाम पर रियलिटी ब्राण्ड की उत्पादक कम्पनी रियल सिल्क इंडस्ट्रीज के दोनों डायरेक्टर युवा होने के साथ-साथ अपने व्यापार के प्रति काफी सहजता का भाव रखते हैं। उन्हें अपनी कम्पनी में नित नये डवलपमेण्ट हमेशा नये-नये कलर चार्ट तैयार कर भारत की तमाम मण्डियों में अपने ब्राण्ड को पहुँचाना है, साथ ही युवा सोच के साथ आगे बढ़ते हुए नित नयी ऊँचाइयों को छू रहे हैं।

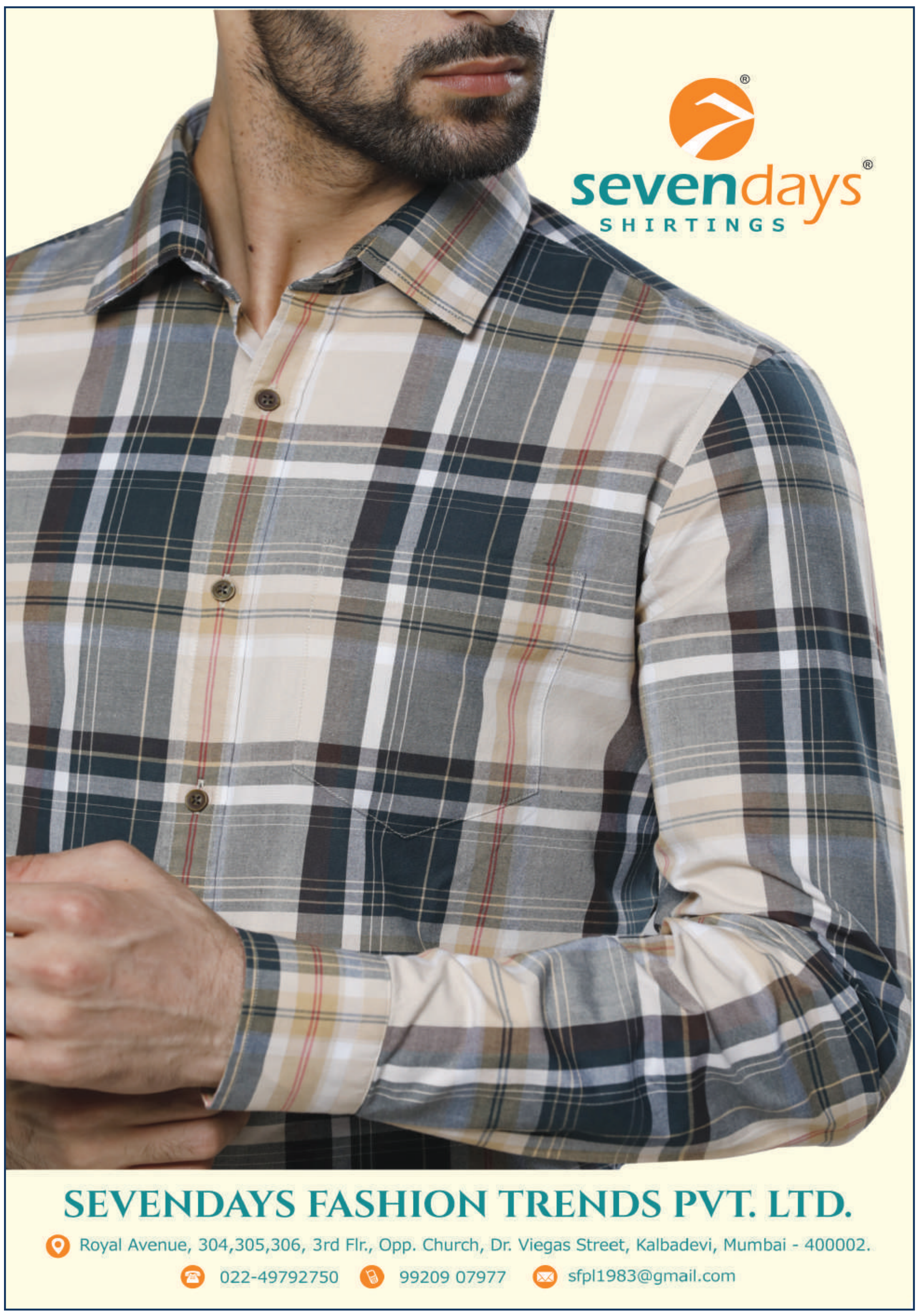

गारमेण्ट सेक्टर के लिए विस्तृत कलेक्शन तैयार

रॉयल ब्लू ब्राण्ड

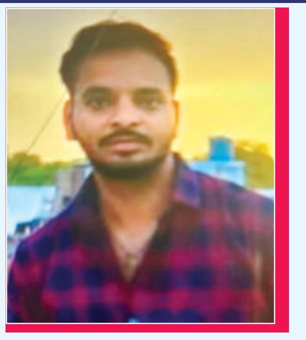

Royal Blue
MFG OF PREMIUM FABRICS

मुम्बई/ गारमेण्ट सेक्टर में अपनी पहचान बनाने वाले 'रॉयल ब्लू ब्राण्ड' द्वारा पिछले सीजन में बम्पर बुकिंग करते हुए अब आगामी सीजन की तैयारी शुरू कर दी है।

धनलक्ष्मी टेक्सटाइल के मालिक श्री गणेश राठौड़ ने बताया कि फर्म द्वारा आगामी सीजन के लिए वूलन, पशमीना शर्टिंग, व्हाइट, कुर्ता फैब्रिक में अनेक डवलपमेण्ट किया जा रहे हैं, जिसमें पशमीना शर्टिंग की डिमाण्ड अभी से आना शुरू हो गई है। फर्म द्वारा गारमेण्ट सेक्टर में बचिंग चैक्स में निरंतर डवलपमेण्ट पेश किया जा रहे हैं। इसकी मार्केट में बम्पर डिमाण्ड निकलकर आ रही है।

श्री गणेश राठौड़ ने बताया कि हमारे द्वारा 36 इंच एवं 58 इंच शर्टिंग में बड़े पैमाने पर कार्य किया जा रहा है। इस वर्ष फर्म द्वारा पीसी, व्हाइट, वूलन तथा गारमेण्ट सेक्टर के लिए प्लेन, डिजिटल प्रिंट, लाइनिंग, चैक्स, कॉटन चैक्स एवं पीसी की क्वालिटियों तथा रमजान माह में कुर्ते-पायजामे की डिमाण्ड सबसे ज्यादा देखी गई है, जो गारमेण्ट सेक्टर में डिमाण्ड के साथ सप्लाई किया गया। कुर्ता-पायजामा में नॉर्थ की मण्डियों में पूरा जोर रहा है। आज हमारे द्वारा नॉर्थ की मण्डियों में बड़े पैमाने पर माल सप्लाई किया जा रहा है। व्यापारियों की डिमाण्ड को ध्यान में रखते हुए व्हाइट एंड व्हाइट फैब्रिक पर विशेष फोकस करते हुए वाटरप्रूफ गीजा शर्टिंग एवं गारमेण्ट सेक्टर में पोपलीन चैक्स एवं ऑक्सफोर्ड चैक्स में भी अनेक क्वालिटियां बनाई गई है, जिसे भारत की तमाम मण्डियों से अच्छी बुकिंग मिल रही है।

नॉर्थ की मण्डियों में मजबूत पकड़ - श्री राठौड़ ने बताया कि फर्म द्वारा नॉर्थ की मण्डियों में मजबूत पकड़ बनाई है। वहाँ के सभी व्यापारीभाइयों को धन्यवाद करते हैं कि वे आज 'रॉयल ब्लू ब्राण्ड' के साथ कार्य करते हुए निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। कम्पनी आज चार डिविजन में कार्य करती हैं, जिसमें गारमेण्ट सेक्टर, ऑनलाइन प्रोग्रामिंग, एपीसी कटिंग एवं यूनिफॉर्म सेक्टर में अपने पाँव पसार चुकी है। कम्पनी के सभी उत्पादों की निरंतर डिमाण्ड बनी हुई है।

सफलता का श्रेय टीमवर्क को - श्री राठौड़ ने बताया कि महज थोड़े से समय में ही हमारे ब्राण्ड ने निरंतर प्रगति की है। इसमें मेरे साथ, मेरे दो भाइयों श्री महेंद्र राठौड़ एवं श्री सुरेश राठौड़ ने कंधे से कंधा मिलाकर हमारे इस ब्राण्ड को आगे बढ़ाने में निरंतर सहयोग कर रहे हैं। आज हमारी फर्म हम सभी के सहयोग के साथ चल रहीं है। हम हमेशा टीमवर्क के साथ कार्य करते हुए आगे बढ़ते हैं। हमारे द्वारा गारमेण्ट सेक्टर के लिए 800 से 900 क्वालिटियों का महान कलेक्शन हर समय तैयार रहता है। हम हमारे प्रॉडक्ट के प्रति काफी सजक हैं और सही क्वालिटी वाजिब दाम पर उपलब्ध कराना हमारा मुख्य उद्देश्य रहा है।

DHANLAXMI TEXTILES MILLS
3rd Floor Office No. 308, Mahadev Building No. A, Munisurat Complex Phase-2, Anjur Phata, Rehnal, Bhiwandi-421302 Thane (MH), Off.: +91 8928351068
GANESH RATHORE : +91 9322394108, +91 8209241369

दीपावली के बाद से ही अच्छी बुकिंग

सेनमार्को द्वारा शर्टिंग की रेंज में विस्तृत डवलपमेण्ट तैयार

मुम्बई/ नित नये इनोवेशन के साथ 'सेनमार्को ब्राण्ड' निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है। कम्पनी के डायरेक्टर श्री मनीष मेहता ने बताया कि अगस्त माह से मार्केट चालू हो चुका है। हमारे पास अच्छे ऑडर्स आ रहे हैं और दीपावली के बाद से ही बाजार में और अच्छी ग्राहकी दिखाई देगी। हमारे पास निरंतर अच्छे ऑर्डर्स आ रहे हैं। कम्पनी इन ऑर्डर्स को पूरा करने में जुटी है। आगे के सीजन को ध्यान में रखते हुए कम्पनी द्वारा नवरात्रि एवं दीपावली के सीजन की तैयारियों में जुट चुकी है, ताकि आगे का सीजन हमारे लिए काफी फायदेमंद हो। इसके लिए नयी-नयी सेम्पलिंग शुरू हो चुकी है। बाहरी मण्डियों के बायर्स से मिलकर आगे क्या डवलपमेण्ट किया जाए उसके लिए तैयारियाँ हो रही है। पिछले सीजन को ध्यान में रखते हुए पार्टियां काफी उत्साह से भरी हुई है। रिटेलर्स के यहाँ काफी कपड़ा कटा है और आगे आने वाले सीजन में और भी अच्छा चलने की उम्मीद है। कम्पनी की रेग्युलर क्वालिटियों में फैंसी, सोबर कुर्ते, बड़ा चैक्स, छोटा चैक्स, डोबीज, स्ट्राइप्स की अच्छी मांग बनी हुई है। लगातार मार्केट में नये चार्ट तथा सेम्पल तैयार कर बुकिंग की जा रही है। कम्पनी के डायरेक्टर श्री मनीष मेहता ने बताया कि इस त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए हमारे द्वारा लाइनिंग, डिजीटल प्रिन्ट एवं रोटरी प्रिन्ट, चैक्स, प्रिंट, फ्लोरेंस कलर्स चार्ट, 36'' शर्टिंग में फैंसी फ्लोरेंस कलर चार्ट, डीपकलर चार्ट, चैक्स एवं प्रिंट की विस्तृत रेंज मार्केट में पेश की गई है, जिसे अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। 58'' बड़े पने में कॉटन में व्हाट, क्रीम कलर व फैंसी में भरपूर मांग देखने को मिल रही है। इस वर्ष हमारे द्वारा अपने उत्पादों में नये डवलपमेण्ट कर मार्केट में पेश किए जा रहे हैं, जिससे भारत की तमाम मण्डियों से अच्छी बुकिंग मिल रही है।

मार्केटिंग नेटवर्क में विस्तार की योजना - श्री मेहता ने कहा कि कम्पनी ने हमेशा अपने ग्राहकों के लिए नया डवलपमेण्ट पेश किया है और निरन्तर अपने मार्केटिंग नेटवर्क में विस्तार कर रही है। कम्पनी हमेशा अपने मूल उद्देश्य पर ध्यान केन्द्रित रखती है। आगे दीपावली के सीजन के मद्देनजर प्रिंट में अच्छी ग्राहकी होने की उम्मीद है। प्रिंट आयटम में काफी वैरायटी मिलेगी।

SANMARCOS
MUMBAI OFFICE
145 B, Dr. Veigas Street, 2nd Floor, Room No. 21, Manji Valji Building, Kalbadevi Road, Mumbai 02
Tel.: 022 40057670 | Mob.: 93222 61624 | 88507 50124
BHIWANDI OFFICE
447 Sukh Shanti Industrial Estate, 1st Floor, Gala No. 2/3, Near Hero Honda Show Room, Temghar, Pipeline Saibaba Kalyan Road, Bhiwandi- 421302, Mob.: 98203 36481, 73875 24584
Email: sanmarcos2105@gmail.com

आगामी सीजन हेतु डिजिटल प्रिंट में नये डवलपमेण्ट

रितुराज सिल्क मिल्स

मुम्बई/ फैंसी शर्टिंग में निरन्तर नये डवलपमेण्ट कर 'रितुराज सिल्क मिल्स' द्वारा आगामी सीजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। फर्म द्वारा नित नये डवलपमेण्ट पेश करते हुए फर्म के डायरेक्टर श्री जगदीश राजपुरोहित, श्री मुकेश राजपुरोहित एवं श्री अमृत राजपुरोहित के सहयोग से फर्म आज अपने नेटवर्क को विस्तारित करते हुए निरन्तर आगे बढ़ रही है। फर्म की स्थापना श्री जगदीश राजपुरोहित ने इसी उद्देश्य के साथ की, कि हम हमारे उत्पादों को वाजिब दाम के साथ बेस्ट क्वालिटी व्यापारियों तक पहुँचाएं तथा व्यापारियों के विश्वास पर खरा उतरते हुए आगे बढ़ें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हम शर्टिंग फैब्रिक में निरन्तर नयी-नयी क्वालिटियों का डवलपमेण्ट करते आ रहे हैं और इसी की बदौलत सम्पूर्ण भारत की टेक्सटाइल मण्डियों में हमारे उत्पाद निरन्तर बिक रहे हैं। इसके अलावा आने वाले दीपावली सीजन के लिए भी हम अनेक डवलपमेण्ट पेश कर रहे हैं, जिसकी अच्छी डिमाण्ड बनी हुई है।

श्री राजपुरोहित ने बताया कि शर्टिंग फैब्रिक में हमारे द्वारा 36'' एवं 58'' शर्टिंग में पीस की रेंज, पोस्टर आइटम, फैंसी सोबर, डिजिटल प्रिंट, प्लेन की रेंज, कुर्ता आइटम, चैक्स प्रिंट, साथ ही 44'' में खादी के कुर्ते की आइटम, 58'' में कॉटन पीसी, एक्सक्लुसिव मेटी आइटम, गारमेण्ट सेक्टर एवं काउण्टर रेंज में डिमाण्ड के साथ बनाए जा रहे हैं। यह तमाम फैब्रिक उच्च गुणवत्तापूर्ण क्वालिटी के बनाए जाते हैं। हमने शुरूआत से ही कभी-भी क्वालिटी के साथ समझौता नहीं किया, इसकी बदौलत आज हम यूपी, बिहार, राजस्थान, असम, बंगाल, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, बैंगलोर तथा गुजरात सहित सभी राज्यों में डिमाण्ड के साथ फैब्रिक सप्लाई कर रहे हैं।

मार्केटिंग नेटवर्क की विस्तार योजना

श्री राजपुरोहित ने बताया फर्म द्वारा निरन्तर हर सीजन के नये डवलपमेण्ट, नए कलर चार्ट बाजार में पेश कर रही है। आज फर्म हर प्रांतों में अपने उत्पाद डिमाण्ड के साथ सप्लाई करते हुए और भी शहरों में अपने उत्पाद पहुँचाने हेतु कार्यरत है, जिसमें निरन्तर बढ़ोतरी होती नजर आ रही है।

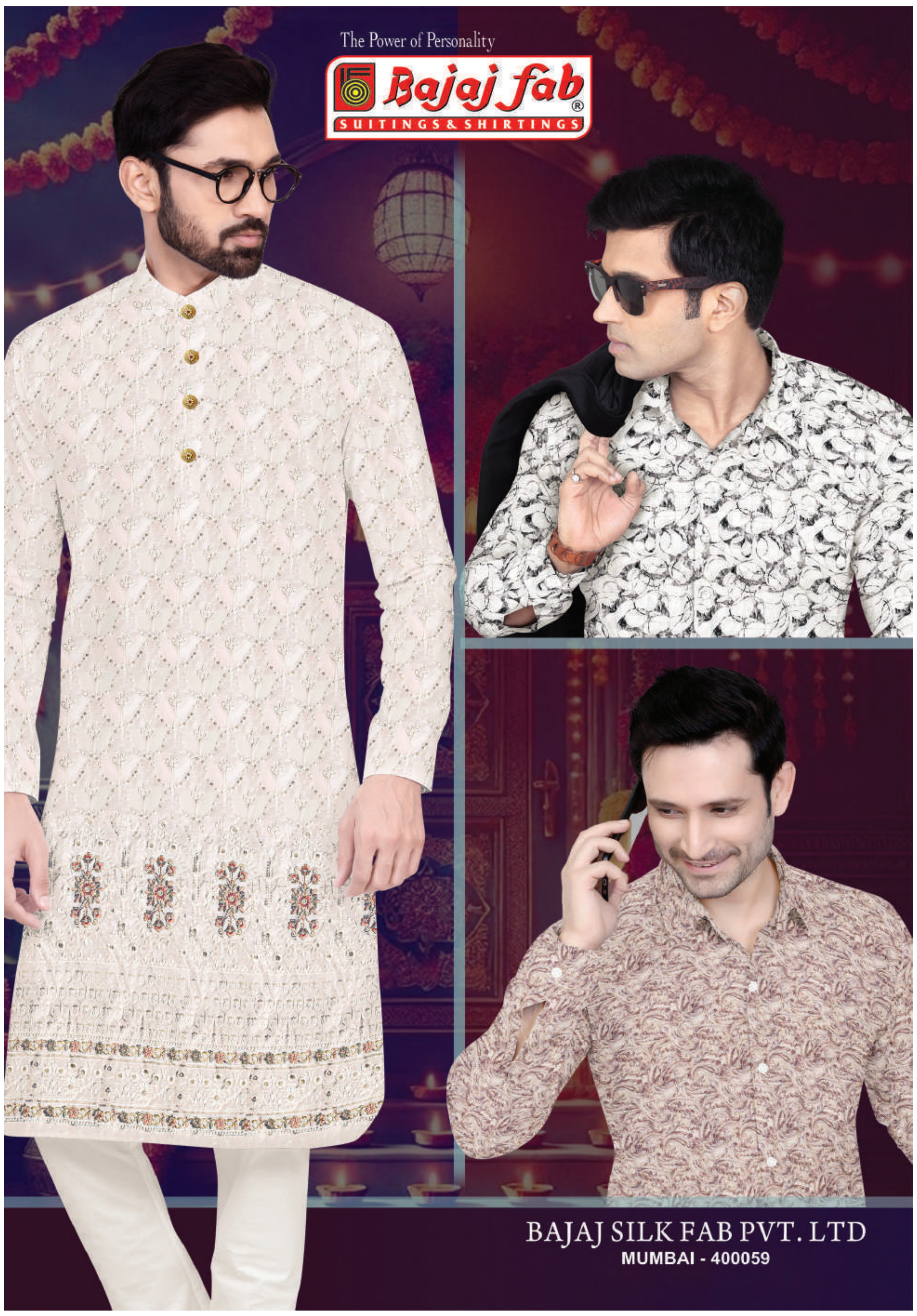

ECO-NASIR-1213
ECO-NASIR-1175
ECO-NASIR-1201
ECO-NASIR-1138
ECO-NASIR-1229
ECO-NASIR-1154
NAVKAR LIFESTYLE
NAVKAR
LIFESTYLE
presents fine digital prints in
SUPER LUXURY FABRICS
For Agent/Dealer enquiries, reach us at:
Call: +91 9822532000 | Write to: pratik@navkarlifestyle.com
AVAILABLE AT ALL LEADING RETAIL OUTLETS: www.navkarlifestyle.com

Sparsh-Fab®
FASHION FABRIC
DESIGNED TO EXPRESS
Fashion That Speaks Your Style
Modern designs, trusted quality-made for every celebration.
Why Choose Sparsh-Fab?
• Lab-tested for pilling, colour fastness & shrinkage
• Premium cotton & blends for unmatched comfort
• A diverse collection across plains, checks & stripes
• Twin packs & gift packs – perfect for festive gifting
SPARSH-FAB TEXTILES PVT. LTD.
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY
Jai Matadi Compound, Building No. H, Gala No. 109, 1st Floor, Kalher, Bhiwandi - 421 302. E: customercare@sparshfab.com
Call: 93238 04794

कैजुअल शर्ट्स में पहली पसंद वाला ब्राण्ड

LIFE STYLE Exclusive

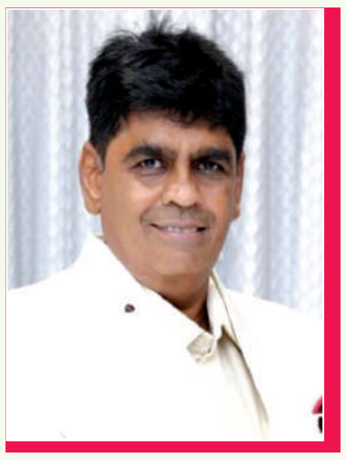

मुम्बई/ दिनों-दिन रेडीमेड गारमेण्ट का क्रेज बढ़ता जा रहा है। आज हर उत्पादनकर्ता अपने फैब्रिक को गारमेण्टर तक पहुँचाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। इसी कड़ी में लाइफस्टाइल एक्सक्लूसिव ब्राण्ड जो आज कैजुअल शर्ट निर्माताओं में अपनी पहचान कायम की है। कम्पनी एक्सक्लूसिव शर्ट में कैजुअल शर्ट्स की आपूर्ति देश के कोने-कोने तक मुम्बई के अलावा दिल्ली, कोलकाता, विशाखापट्टनम, इरोड, त्रिचुर, अहमदाबाद, बैंगलुरू, चैन्नई, जयपुर, जोधपुर आदि के कारोबारीबंधुजनों के पास होलसेल की दर और भाव में बड़े-बड़े बण्डलों में पैक कर भिजवाया जाता है या वहाँ के व्यापारीजन इस कार्यालय पर आकर यहाँ से लेकर जाते हैं, जिस कारण लाइफस्टाइल एक्सक्लूसिव ब्राण्ड देश में काफी पोपुलर बन चुका है।

ज्ञातव्य हो कि पिछली सदी के सन् 1998 में इस कारोबार की स्थापना करने वाले लाइफस्टाइल एक्सक्लूसिव ब्राण्ड के प्रोपराइटर श्री जयंत पारख ने अपने ऊँचे स्वप्न को साकार करते हुए, आज इस ब्राण्ड को बुलंदियों पर पहुँचा चुके हैं। जिसमें उनकी कड़ी मेहनत, लगन और निष्ठा को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। उनके जज्बे और जुनून की बदौलत ही उनके कारोबार में दर्जनों से भी अधिक उनके सहयोगीजन बखूबी हाथ बटा रहे हैं। जिन सबके मुस्तैदी के साथ सेवाओं और तटस्थता से ही यह लाइफस्टाइल एक्सक्लूसिव ब्राण्ड युवाओं का चहेता बना हुआ है। जिनके धागे, डिजाइन और कलर आदि भी काफी पसंदीदा रहते हैं। इसके टिकाऊपन और गुणवत्ता वाले कपड़ों पर आँख बंदकर भी भरोसा कर रहे हैं। जिनके अलावा श्री पारख सैंकड़ों कपड़ा व्यापारीबंधुजनों के कारोबार में वृद्धि लाने के हितार्थ हर वर्ष में तकरीबन दो बार कपड़ों की बड़ी-बड़ी एग्जीबिशन आयोजित करने वाली प्रमुख संस्था FSA (Fabric Supplier Association) के सचिव के पद को पिछले कई वर्षों से सुशोभित कर रहे हैं। देश के लाखों कपड़ा क्रेता बंधुओं के साथ-साथ सैंकड़ों विक्रेता बंधुजनों के साथ भी इनका व्यवहार और भरोसा आज भी कायम है।

Jayant A. Parakh Mob.: 9820644649

34, Kewal Industrial Estate, Ground Floor, S. B. Marg,
Lower Parel, Mumbai - 400 013. Ph.: 022-49731700
Email : lifestyle_exclusive@yahoo.com

58'' शर्टिंग में निरन्तर नया डवलपमेंट

तोलुका इण्डस्ट्रीज

आगामी सीजन के लिए बाजार में नए कलेक्शन पेश

मुम्बई/ फैंसी शर्टिंग फैब्रिक में विस्तृत रेंज के लिए प्रसिद्ध तोलुका इण्डस्ट्रीज ने आगामी त्योहारी एवं वैवाहिक सीजन हेतु नये कलेक्शन पेश किए हैं। कम्पनी के डायरेक्टर श्री तोलाराम पारीक ने बताया कि शर्टिंग फैब्रिक में हमारे द्वारा आगामी सीजन हेतु अनेक नये डवलपमेण्ट बाजार में पेश किए गए हैं, जिसकी जबरदस्त डिमाण्ड बनी हुई है। कम्पनी द्वारा अपनी रेग्युलर 36'' एवं 58'' शर्टिंग में पीवी, पीसी, लाइनिंग, चैक्स, डोबीज, अल्पाइन प्रिण्ट, फैन्सी प्रिण्ट, फैन्सी फैब्रिक, कॉटन प्रिण्ट में विस्तृत रेंज, फैंसी पोस्टर शर्टिंग की विस्तृत रेंज में भरपूर डवलपमेण्ट किए गए हैं, इसके अलावा कम्पनी की सभी क्वालिटियों में भरपूर डिमाण्ड बनी हुई है।

TOLUKA DESIGNER SHIRTINGS

58'' शर्टिंग में नया डवलपमेंट

श्री पारीक ने बताया कि कंपनी द्वारा 58'' शर्टिंग में नया डवलपमेंट पेश करते हुए लिनन, लाइनिंग, डिजिटल प्रिंट, अल्पाईन प्रिंट, फैंसी प्रिंट में काफी वैरायटियां लॉन्च की है। जिसे साउथ की मण्ड़ियों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसके अलावा 58'' एवं 44'' फैंसी कुर्ता की नयी रेंज बाजार में प्रस्तुत की है जिसे व्यापारियों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। श्री पारीक ने कहा कि हमारे द्वारा उत्पादित फैब्रिक की गुणवत्ता एवं फिनिश का कोई मुकाबला नहीं है। हम सर्वश्रेष्ठ ग्रे लेकर उसे बेहद अच्छे प्रोसेस गृहों से फिनिश करवाते हैं, ताकि उसकी गुणवत्ता बनी रहे। हम अपने व्यापारियों को बेस्ट क्वालिटी वाजिब दाम पर उपलब्ध कराते हैं, जिससे हमारा सेल्स नेटवर्क निरन्तर बढ़ता जा रहा है।

मार्केटिंग नेटवर्क

श्री पारीक ने बताया कि कम्पनी द्वारा आज भारत की तमाम मण्डियों में अपने उत्पादों को बड़े पैमाने पर सप्लाई किया जा रहा है। साथ ही गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश तथा साउथ की मण्डियों में डिमाण्ड के साथ शर्टिंग फैब्रिक सप्लाई की जा रही है।

टेक्सटाइल वर्ल्ड में विज्ञापन एवं न्यूज मैटर प्रिन्ट कराने के लिए संपर्क करें- 8003596091

लिनन एवं व्हाइट शर्टिंग में उम्दा रेंज तैयार

दीप हरिचरण टेक्सटाइल

मुम्बई/ शर्टिंग फैब्रिक में दिनों-दिन नवाचार हमें देखने को मिल रहे हैं। आज हर उपभोक्ता लिनन, कॉटन, डिजिटल प्रिंट, लाइनिंग शर्टिंग को पहनना पसंद कर रहा है। फैंसी शर्टिंग में भिवंडी में स्थापित 'दीप हरिचरण टेक्सटाइल' दिनों-दिन बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। नये डवलपमेण्ट के साथ आगे बढ़ना कम्पनी ने अपना मूल उद्देश्य बनाया है।

फर्म के युवा एवं अनुभवी डायरेक्टर श्री दीपचरण अग्रवाल ने बताया कि भिवंडी में एक्सक्लुसिव शर्टिंग फैब्रिक का उत्पादन करते हुए फर्म आज भारत की तमाम मण्डियों में अपने उत्पादों को पहुँचा रही है।

एक्सक्लूसिव शर्टिंग रेंज – श्री अग्रवाल ने बताया कि आज हमारे द्वारा 58'' शर्टिंग में लिनन, 100 प्रतिशत कॉटन में व्हाइट, टेंसिल कॉटन, एक्सल, मोडाल, बाम्बू शर्टिंग का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा रहा है। 36'' फैंसी शर्टिंग में चैक्स, प्रिंट, डिजिटल प्रिंट, टॉप डाइड फैंसी, पीस डाइड शर्टिंग, खादी की रेंज, पीसी ब्लेंड चैक्स की काफी वैरायटियां अलग-अलग कलर चार्ट में हमेशा तैयार रहती है। उन्होंने बताया कि हमारे पास व्हाइट शर्टिंग की काफी लंबी रेंज हमेशा तैयार रहती है, जिसे भारत की तमाम मण्डियों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

क्वालिटी पर विशेष जोर – श्री अग्रवाल ने बताया कि हमारे द्वारा सभी प्रतिष्ठित मिलों का यार्न खरीदा जाता है, जिससे फैब्रिक की क्वालिटी में निखार आ सके। आज हम क्वालिटी पर विशेष ध्यान देते हुए अच्छे प्रोसेस गृह के अंतर्गत फैब्रिक को फिनिश करा रहे हैं। ताकि हमारे उत्पादों की फिनिश एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पाद हमारे व्यापारियों तक पहुँचा सके।

मार्केटिंग नेटवर्क – श्री अग्रवाल ने बताया कि हमारी पूरी टीम उत्साह के साथ आगे बढ़ रही है। हम निरंतर क्वालिटी पर ध्यान देते हुए अपने मार्केटिंग नेटवर्क की योजना पर फोकस करते हुए निरंतर एरिया बढ़ाया जा रहा है, जिसमें हम सफल होते नजर आ रहे हैं।

भारत की तमाम मण्डियों में उत्पाद पहुँचाया

DEEPHARI FANCY SHIRTINGS

Trade Inquiries are Invited for Agents & Dealers Pan India

BRANCH OFFICE
No. 1402, Meghdhara Market, Gala No. 70, 1st Floor, A-Wing,
Anjurphata, Rahnal Village, Bhiwandi - 421 302. (Dist. Thane)
Prabhakar Kodam: +91 89995-89735 Sanjeev Dave: +91 97028-08058

HEAD OFFICE
2-2-51/8, Pan Bazar, Opp. Mittal Chambers, M.G. Road,
Secunderabad- 500 003. (Telangana)
Deep Charan Agarwal Mob.: +91 93910-67450 | 91542-67450

NITESH FASHION PVT LTD

AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY

MENS FABRIC DIVISION:

Office: 134/140 Govardhan Niketan, Cavel Street, Ground Floor, Kalbadevi Road,
Behind Swadeshi Market, Mumbai-400002, Tel: 022-40026905, Mob.: 9323728040 (Nitesh Kothari)

NFL GROUP

- Fancy Plain Fabrics
- Kurta Fabrics
- Ethnic Wear Fabrics
- Poly Cotton Fabrics
- Customised Poly Cotton Checks
- Checks, Stripes, Fancy Fabrics
- Exporters of Fabric and garments

My Clients Can Choose Their Own Colours And Fabrics To Have Something Unique In Their Wardrobes.

NITESH FASHION PVT LTD

Manufacturers of fabric for Party Wear Shirts, Kurtas & Kids Wear

Mens Fabric Division

134/140 Govardhan Niketan, Cavel Street, Ground Floor, Kalbadevi Road, Behind Swadeshi Market, Mumbai-400002

Tel: 022- 40026905 , Mob:-9323728040 (Nitesh Kothari)

SANAM-INDIA® PREMIUM LINEN FABRICS

की सोलापुर में रिटेल कॉन्फ्रेंस सम्पन्न

शत-प्रतिशत लिनन शर्टिंग में भरपूर बुकिंग

मुम्बई

शत-प्रतिशत लिनन शर्टिंग में 'सनम इंडिया' अपने कदम निरंतर आगे बढ़ाती जा रही है। कम्पनी द्वारा आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए सोलापुर के स्थानीय डीलर भराड़िया साड़ीज के तत्वावधान में भव्य रिटेल कॉन्फ्रेंस 3 व 4 सितंबर 2025 को आयोजित की गई। जहाँ कम्पनी के डायरेक्टर श्री सनम जैन ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में हमारे द्वारा प्योर लिनन शर्टिंग एवं सूटिंग के उत्पादों का भव्य डिस्प्ले किया गया, जिससे प्लेन शर्टिंग के लगभग 300 आयटमों में विभिन्न कलर चार्ट, लाइनिंग, चैक्स, प्रिंट के उत्पादों का डिस्प्ले किया गया। साथ ही व्हाइट में सेल्फ की 25 से 30 डिजाइंस पेश की गई।

श्री जैन ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में डिजिटल प्रिंट, एम्ब्रॉयडरी, जैकार्ड, बूटा, डिजिटल, पैनल प्रिंट की रेंज को विशेष रूप से डवलप किया गया, जिसे देखकर व्यापारियों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इस कॉन्फ्रेंस में महाराष्ट्र एवं कर्नाटक के लगभग 150 रिटेलर्स ने शिरकत करते हुए कम्पनी के उत्पादों की जमकर बुकिंग कराई।

यशवी क्रिएशन द्वारा आगामी दीपावली के लिए नए डवलपमेण्ट तैयार

प्रिंट, कुर्ता फैब्रिक, कॉटन में नया कलेक्शन

मुम्बई/ हर सीजन के लिए नया डवलपमेण्ट देने में अग्रणी 'यशवी क्रिएशन' के पास पिछले सीजन की जबरदस्त ग्राहकी देखी गई। कम्पनी के पास रक्षाबंधन, गणेश महोत्सव, पर्युषण के सीजन में अच्छा कामकाज हुआ।

कम्पनी के डायरेक्टर श्री संजय मेठानी ने बताया कि हम दीपावली के सीजन के लिए नया डवलपमेण्ट पेश कर रहे हैं, जिसमें प्रिंट, कुर्ते की रेंज, कॉटन वैवाहिक सीजन को ध्यान में रखते हुए एथनिक वियर में डवलपमेण्ट पेश किया गया। कम्पनी द्वारा पिछले सीजन में कॉन्फ्रेंस की गई, जिसे बहुत शानदार रिस्पॉन्स मिला है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए कम्पनी द्वारा दीपावली के बाद भी कॉन्फ्रेंस करने की तैयारी चल रही है।

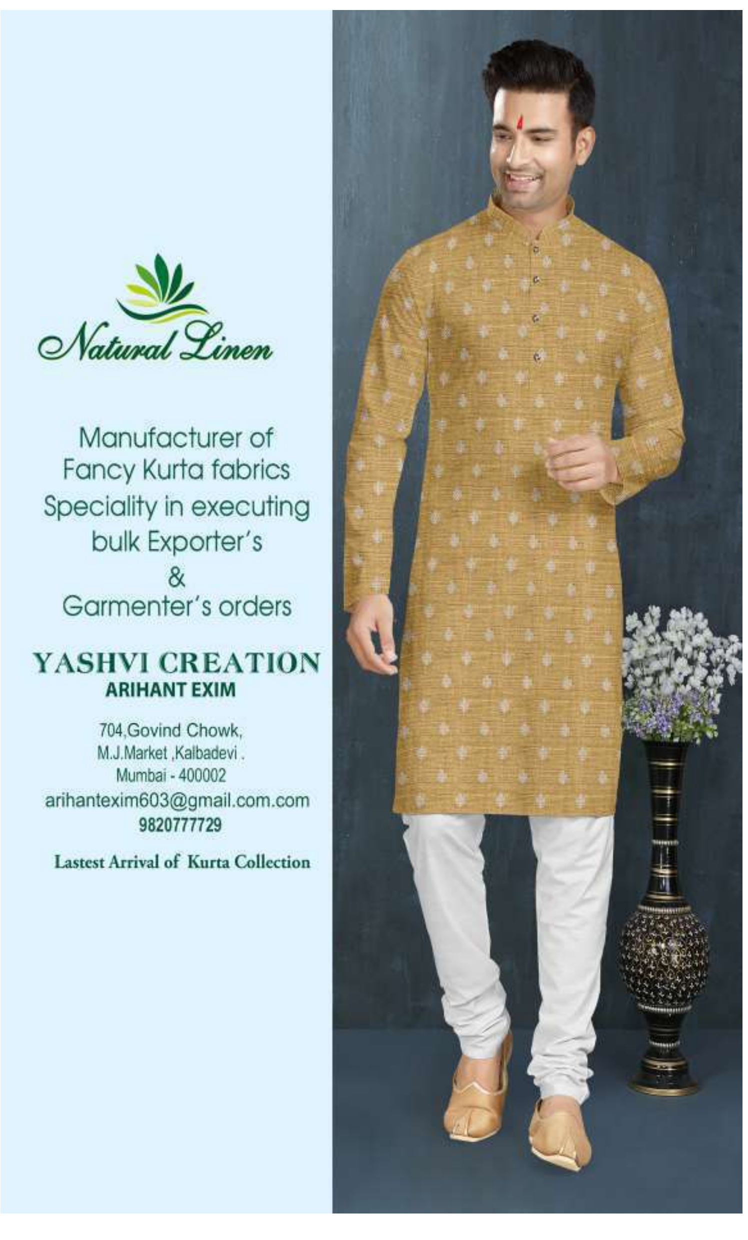

शर्टिंग में नया डवलपमेण्ट

श्री मेठानी ने बताया कि एथनिक वियर के साथ-साथ कम्पनी द्वारा शर्टिंग फैब्रिक में भी अनेक नये डवलपमेण्ट पेश किए गए हैं, जिसमें प्लेन, डिजिटल, कॉटन लाइक्रा, कॉटन टेन्सील, प्योर टेन्सील, कॉटन स्लब, लिनन लुक के आयटम, लायसील कॉटन, कॉटन पीवी में विभिन्न कलर चार्ट एवं डिजाइंस उपलब्ध है। इस सीजन के मद्देनजर व्हाइट की बहुत बड़ी रेंज डवलप की गई है। साथ ही आगामी ईद को ध्यान में रखते हुए नए-नए डवलपमेण्ट कम्पनी द्वारा बाजार में पेश किए जा रहे हैं।

एक्सपोर्ट एवं गारमेण्ट सेक्टर में अच्छी बुकिंग

श्री मेठानी ने बताया कि आज हमारे पास शर्टिंग फैब्रिक एवं कुर्ते की रेंज में बड़े-बड़े गारमेण्टर्स जुड़े है। एक्सपोर्ट हाउसेज के अच्छे ऑर्डर्स मिल रहे हैं, क्योंकि अगस्त माह के अंत से ही एक्सपोर्ट एवं गारमेण्टर्स के ऑर्डर्स आना शुरू हो जाते हैं। कम्पनी के पास अच्छे गारमेण्टर्स के ऑर्डर्स आना शुरू भी हो चुके हैं और आगे भरपूर ऑर्डर्स मिलने की सम्भावना है।

लिनन एवं कुर्ते में विस्तृत रेंज

कम्पनी द्वारा हर प्रकार की फैब्रिक में नया डवलपमेण्ट पेश किया जा रहा है, जिसमें लिनन शर्टिंग में अच्छा डवलपमेण्ट किया गया है। कुर्ते फैब्रिक में निरन्तर डिमाण्ड बनी हुई है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए कम्पनी की पूरी टीम उत्साह के साथ आगे बढ़ रही है।

अनिश्चितताओं के दौर में J-TEX फैंसी शर्टिंग की जीत निश्चित

विभिन्न शहरों में रिटेल कॉन्फ्रेंस को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स

मुम्बई/ 'J-Tex है तो जरूर कुछ नया है' इसी उद्देश्य के साथ क्रिएटीव फैब्रिक के उत्पादन में निरन्तर कम्पनी प्रीत एंटरप्राइजेज आगे बढ़ती जा रही है। J-Tex ब्राण्ड के रिटेलर आज वर्षों से इसके साथ जुड़े है। वे कहते है कि इस ब्राण्ड की क्रिएटिविटी का कोई मुकाबला नही है। कम्पनी हर सीजन में हमेशा नया देने की चाह के साथ फैब्रिक का उत्पादन करती है।
कम्पनी के डायरेक्टर श्री जसबीर सिंह टोनी एवं श्री जगजीत सिंह ने कहा कि हमारे द्वारा आगामी दुर्गा पूजा एवं दीपावली सीजन को लेकर काफी उत्साह बना हुआ है। आज रिटेल काउण्टर पर हमारा ब्राण्ड मोस्ट ट्रस्टेड ब्राण्ड के नाम से जाना जाता है। रोजाना नए कलर, नए कॉन्सेप्ट एवं विभिन्न नये यार्न लेकर नए डिजाइंस, पैटर्न तैयार कर बाजार में सप्लाई किए जा रहे है।

श्री टोनी ने कहा कि इस सीजन हेतु हमारे द्वारा प्रिंट पोकेटिंग, प्रिंट एवं एम्ब्रॉयडरी पोकेटिंग, पार्टी वियर एम्ब्रॉयडरी शर्ट, कॉटन लिनन प्रिंट, फैंसी डिजिटल, कुर्ता पठानी एम्ब्रॉयडरी विथ गला वर्क, कॉटन प्रीमियम चैक्स, व्हाइट शर्टिंग की 100 प्लस रेंज, प्लेन एवं सेल्स आइटम, 36'' एवं 58'' शर्टिंग, कॉटन डिस्चार्ज प्रिंट, जैकार्ड वर्क, सोबर की रेंज, लिनन फैब्रिक, एम्बोइस फोइल प्रिंट के साथ-साथ अनेक शानदार रेंज बाजार में धूम मचा रही है। हर रिटेलर हमारी इस नयी रेंज से काफी खुश है। रमजान एवं ईद के सीजन पर हमारे द्वारा कुर्ते में विस्तृत डवलपमेण्ट किया है, जो डिमाण्ड के साथ सप्लाई किया जा रहा है। कम्पनी द्वारा उत्पादित सम्पूर्ण रेंज को भारत की तमाम मण्डियों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। कम्पनी अपने मूल उद्देश्य के साथ आगे बढ़ते हुए रिटेलर्स एवं टेलर्स के मध्य विश्वास अर्जित कर चुकी है।

रिटेल कॉन्फ्रेंस में जबरदस्त बुकिंग - कम्पनी की पूरी टीम इस सीजन को लेकर काफी उत्साहित है। कम्पनी द्वारा हाल ही में अपनी रिटेल कॉन्फ्रेंस सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, राजकोट, जयपुर एवं इंदौर हमें आयोजित की, जहाँ J-Tex एवं J-Tex Plus ब्राण्ड की रेंज में भरपूर बुकिंग मिली है।

न्यू जनरेशन नए क्रिएटिव के साथ आगे - श्री टोनी ने बताया कि पिछले वर्ष कम्पनी के साथ न्यू जनरेशन के रूप में श्री जगप्रीत सिंह, श्री इण्टरप्रीत सिंह, श्री कवरप्रीत सिंह ने कदम रखा, जो निरन्तर नये जोश के साथ कम्पनी के डवलपमेण्ट पर पूरा फोकस किए हुए हैं। नई जनरेशन, नई सोच के साथ बाजार में रहकर नये क्रिएशन पर ध्यान देकर कम्पनी में उसका डवलपमेण्ट करते है। जिसकी बदौलत कम्पनी निरन्तर ग्रोथ कर रही है।

DEALERS SOLICITED
ALL OVER INDIA
FOR DEALERSHIP ENQUIRY
CONTACT: 9323328866

MANUFACTURERS OF AN URBAN
CLASS RANGE IN COTTONS,
JACQUARDS, LINEN, COTTON BLENDS,
PRINT, SOBER AND
FANCY SHIRTINGS IN 58" AND 36"

J-TEX PLUS®
A HOUSE OF SHIRTINGS
A COLLECTION OF 58" WIDTH

J-TEX®
A HOUSE OF SHIRTINGS

MILLS
GALA NO. H-107
DHARAM COMPLEX,
PHASE-1, DAPODA ROAD,
BHIWANDI-401302
e-mail: jtexbhiwandi@gmail.com

Siyaram's
VICTORY
Premium Shirting Fabric
Make every impression matter
1 - Open Google Lens.
2 - Tap the magnifying glass icon.
3 - Point your camera at the QR code.
4 - Tap the pop-up that appears to view the QR code content.
Scan the QR code to view the video
Available at all the leading retail outlets and Siyaram's Shops across the country,
For trade/corporate enquiries, contact: 022-68330500. Toll-free No.: 1800 209 4005.
For franchise enquiries, contact: 09820197273. Email: enquiries@siyaram.com | www.siyaram.com
Follow us on:

नितेश एण्टरप्राइजेज की दो दिवसीय रिटेल कॉन्फ्रेंस सोलापुर में सम्पन्न

Navsari Cotton Mills
KING OF KURTA FABRICS

सोलापुर/ स्थानीय वस्त्र मंडी में स्थित नितेश एंटरप्राइजेज द्वारा दो दिवसीय रिटेल कॉन्फ्रेंस 11 और 12 अगस्त सोलापुर के होटल ओबेरॉय में सम्पन्न हुई। इस दौरान नितेश इंटरप्राइजेज के मालिक श्री शैलेश भाई ने बताया कि इस दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में हमारे द्वारा किंग ऑफ कुर्ता के नाम से प्रसिद्ध नवसारी कॉटन के उत्पादों का भव्य डिस्प्ले किया गया। नवसारी कॉटन हमेशा आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए अपने उत्पादों में डेवलपमेंट पेश करती आई है कंपनी के सभी उत्पाद हमेशा बेहतरीन कलर एवं डिजाइनों में उपलब्ध रहते हैं ।

इस अवसर पर श्री शैलेश भाई के साथ उनकी पूरी टीम में उनके छोटे भाई श्री अल्पेश, श्री नितेश और श्री रितेश भाई ने सभी रिटेलर्स का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

नवसारी कॉटन के युवा डायरेक्टर श्री दिशांत जैन ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में हमारे द्वारा एथनिक वियर, एम्ब्रॉयडरी, इम्पोर्टेड फैब्रिक्स, लोन बेस के प्रॉडक्ट, डिजिटल प्रिंट, नेक वर्क कुर्ता, लिनन फैब्रिक, खादी फैब्रिक का भव्य डिस्प्ले कर बुकिंग की गई। इस सम्पूर्ण डिस्प्ले में कम्पनी द्वारा डिजाइनों के विभिन्न कलर चार्ट रिटेलर्स के समक्ष पेश किए गए, जो रिटेलर्स को काफी पसंद आए। श्री जैन ने बताया कि नवसारी कॉटन ने हमेशा आने वाले सीजन के लिए विभिन्न डवलपमेण्ट पेश किए हैं, जो हर आयु वर्ग के उपभोक्ताओं को पसंद आए हैं।

CMAI
THE CLOTHING MANUFACTURERS ASSOCIATION OF INDIA

CMAI REACTION TO LATEST CHANGES IN GST RATES

Mumbai/ Clothing Manufacturers Association of India (CMAI) wholeheartedly welcomes the latest changes made in the GST Rates, especially relating to the Textile Industry.

The Government has accepted two major requests of the Industry – the removal of the Inverted Duty Structure by making the entire Value Chain from Fibre onwards charged at one rate – 5% - and adopting a fiber-neutral policy, by equating the MMF and Cotton fiber chains.

The increase of the 5% limit from Rs.1000 to Rs.2500 is also an extremely positive move.

CMAI has only one request to the GST Council. In the entire Value Chain from Fiber to Garment, garments above Rs.2500 are the only products which are not at 5%. We earnestly request the Council to remove this anomaly, and either place all Garments, irrespective of the price, at 5%, or fix a more reasonable and realistic price level.

Garments above the price of Rs.2,500 are also consumed in large numbers by the common man and middle class, especially woolen clothing, occasion wear, Indian Traditional clothing, Handlooms, embroidered clothes produced by artisans and traditional weavers are all priced above this limit of Rs.2,500 – all of which will see a significant price increase due to this change of GST Rate.

CMAI thus strongly urges the GST Council and Government to review this aspect.

About CMAI

The Clothing Manufacturers Association of India (CMAI) is the most representative association of the Indian apparel industry having over 5,000 members and serving more than 35,000 Retailers. Its Membership consists of Manufacturers, Exporters, Brands, and ancillary industry. CMAI advocates regarding policies and also guides and encourages its members on ESG related matters and initiatives. In 2019, CMAI launched the SU.RE initiative to encourage members to embrace sustainability.

Established over sixty years ago, CMAI has contributed immensely towards development of the industry. In 1978, CMAI had led the creation of the Apparel Export Promotion Council (AEPC). CMAI is also authorised by the Government of India to issue Certificate of Origin (Non-Preferential) to Exporters. CMAI is the only Indian Association that represents the entire Indian Apparel Industry & Trade on prestigious international forums such as International Apparel Federation (IAF) headquartered in Netherlands.

Presenting
AB De Villiers
THE NEW FACE OF CADINI
CLASSIC
ITALIAN FASHION
Scan the QR code
to view the video
www.cadini.com
www.cadiniitaly.in
CADINI
ITALY
Available at all leading retail outlets across the country. For trade/ corporate enquiries, contact: 022-68330500.

RAMESH SHIRTINGS PEHNO JO INDIA PEHNE | SHIRTS MONTORO® — A STYLE FOR EVERY STORY — | GANGORE® SAREES

रमेश शर्टिंग की भागलपुर कॉन्फ्रेंस अच्छे प्रतिसाद के साथ सम्पन्न

रमेश शर्टिंग एवं मोन्टेरो का भव्य डिस्प्ले

भागलपुर

शर्टिंग फैब्रिक के प्रतिष्ठित ब्राण्ड 'रमेश शर्टिंग' द्वारा आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए भागलपुर के स्थानीय डीलर प्रवीण टेक्सटाइल के तत्वावधान में दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस 12 व 13 अगस्त 2025 को सम्पन्न हुई। इस कॉन्फ्रेंस में कम्पनी द्वारा रमेश शर्टिंग एवं रेडीमेड गारमेण्ट ब्राण्ड मोन्टेरो का भव्य डिस्प्ले किया गया, जो अच्छी बुकिंग के साथ सम्पन्न हुई।

कम्पनी के डायरेक्टर श्री रमेश गाडोदिया ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में कम्पनी द्वारा शर्टिंग फैब्रिक में प्लेन, डिजिटल प्रिंट, प्रिंट, जैकार्ड, एम्ब्रॉयडरी, बूटा, लाइनिंग की वैरायटियों के साथ-साथ गारमेण्ट ब्राण्ड मोन्टेरो में कैजुअल शर्ट, कुर्ता-पायजामा, शेरवानी, सूट पीस की रेंज का डिस्प्ले कर बुकिंग की गई। इस कॉन्फ्रेंस में झारखण्ड, बिहार के रिटेलर्स ने शिरकत करते हुए कम्पनी के उत्पादों की जमकर सराहना की एवं हर रेंज की बढ़-चढ़कर बुकिंग कराई।

शर्टिंग फैब्रिक में कोटली क्रिएशन ने की बाजार में नई रेंज पेश

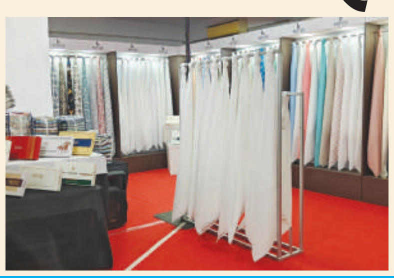

मुम्बई/ शर्टिंग फैब्रिक में 'कोटली क्रिएशन' निरंतर अपने उत्पादों के दम पर आगे बढ़ रही है। कम्पनी द्वारा हाल ही में आगामी ईद एवं दीपावली के सीजन की भरपूर तैयारियाँ की है, जिसे बाहरी मण्डियों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। कम्पनी के डायरेक्टर श्री सुशील जैन टेक्सटाइल व्यवसाय के गहरे अनुभव के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि कम्पनी आज शर्टिंग फैब्रिक में कॉटन लिनन में निरंतर डवलपमेण्ट पेश कर रहे हैं, जिसमें 50/60 काउण्ट तक की शर्टिंग रेंज तैयार कर भारत की तमाम मण्डियों में बड़े पैमाने पर सप्लाई की जा रही है। कम्पनी द्वारा गीजा, गीजा कॉटन, पीमा कॉटन, डिजिटल प्रिंट में निरंतर डवलपमेण्ट पेश किया जा रहा है। कम्पनी द्वारा जोड़ी पैकिंग में भी 25 से 30 प्रकार की रेंज तैयार की जा रही है, जो आगामी दीपावली के सीजन को लेकर तैयार की गई है। कम्पनी के पास व्हाइट शर्टिंग में पीस की रेंज बाजार में धूम मचा रही है।

13 से 20 जुलाई को भव्य कॉन्फ्रेंस सम्पन्न

कॉन्फ्रेंस में मिली भरपूर बुकिंग

श्री जैन ने बताया कि कम्पनी द्वारा 13 से 20 जुलाई 2025 को भव्य ऑल इंडिया होलसेल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जहाँ भारतभर से लगभग 80 होलसेलर्स ने शिरकत की। इस कॉन्फ्रेंस को कम्पनी के काल्हरे स्थित वेयर हाउस में आयोजित किया गया एवं व्यापारियों को ठाणे स्थित टीपटोप प्लाजा होटल में रूकवाया गया। कॉन्फ्रेंस में कम्पनी द्वारा कॉटन लिनन सहित डिजिटल प्रिंट, 80/80 पीमा कॉटन, प्रिंट, डिजिटल प्रिंट में नया डवलपमेण्ट पेश किया गया, जिसे देखकर व्यापारियों ने जमकर प्रशंसा की।

वूमन्स वियर में बढ़ते कदम

श्री जैन ने बताया कि कम्पनी शर्टिंग के साथ-साथ वूमन्स वियर में भी बड़े पैमाने पर कार्य कर रही है। यह सम्पूर्ण कार्य श्री जैन की सुपुत्री राहावी जैन द्वारा देखी जा रही है। श्री राहावी जैन ने बताया 'द लिन' ब्राण्डनेम के तहत हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। हमारा यह ब्राण्ड वूमन्स क्षेत्र में प्रख्यात होता जा रहा है। इस ब्राण्ड में हमारे द्वारा लिनन फैब्रिक में रेडीमेड कुर्तीज एवं विभिन्न प्रकार के आयटम बाजार में सप्लाई किए जा रहे हैं। यह ब्राण्ड वूमन्स वियर का पसंदीदा ब्राण्ड बनने को तैयार है।